सुविचार
अनुभव ने हमें सिखाया है कि सपने का पीछा तब तक करो, जब तक कि वह पूरा न हो जाए।
-गेब्रियल गार्सिया

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 02 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 340 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
For Malaika Arora 2024 Was Full...

फोटोन एक्सक्लूसिव... जनवरी से नवंबर 2024 तक 3700 लोग हुए शिकार, घटनाओं में रांची अव्वल, सबसे कम जामताड़ा में

नशा, रफ्तार और खराब सड़कें लील रहीं जान, हर दिन 11 मौतें

SUHAIB ANSARI @ RANCHI

झारखंड में बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या हैं। इस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। देश में जितनी मौतें हार्ट अटैक, कैंसर जैसी बीमारियों से नहीं होतीं, उससे कहीं ज्यादा मौतें सड़क हादसों में हो जाती हैं। बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं अब चिंता का विषय बन गई हैं। झारखंड में हर दिन किसी इलाके से सड़क हादसे की खबरें अब आम बात हो गई हैं। प्रशासन के प्रयास के बावजूद हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे। झारखंड में सड़क हादसों में हो रही मौत के आंकड़े डरावने लगने लगे हैं। यहां हर दिन 11 लोग अपनी जिंदगी से हाथ धो रहे हैं। जी हां, झारखंड पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 11 महीनों में 3700 लोगों की सड़क हादसे में जान जा चुकी है।

रांची में 11 महीनों में 485 लोगों की मौत, हजारीबाग में 246 लोगों की चली गई जान

जमशेदपुर में 210, बोकारो में 200 व धनबाद में 190 लोगों ने गंवा दी अपनी जिंदगी

- राज्य में लगातार बढ़ते एक्सीडेंट के आंकड़े होते जा रहे डरावने, बना चिंता का सबब
- लगाम लगाने के लिए पुलिस भी लगातार कर रही प्रयास, नहीं थम रहे हादसे

किस जिले में कितने लोगों की हुई मौत

रांची : 485	गुमला : 188	चतरा : 104
हजारीबाग : 246	रामगढ़ : 183	लातेहार : 93
गिरिडीह : 214	चाईबासा : 168	लोहरदगा : 79
जमशेदपुर : 210	सरायकेला : 159	गोड्डा : 74
बोकारो : 200	देवघर : 132	कोडरमा : 69
धनबाद : 190	गढ़वा : 130	पाकुड़ : 68
दुमका : 190	सिमडेगा : 111	साहेबगंज : 58
पलामू : 190	खूंटी : 110	जामताड़ा : 49

हादसों में हजारीबाग दूसरे व जमशेदपुर तीसरे नंबर पर

इस साल जनवरी से लेकर नवंबर 2024 तक अलग-अलग हादसों में 3700 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसों मे रांची अव्वल है। यहां 11 महीनों में 485 लोगों की जान जा चुकी है। दूसरा नंबर हजारीबाग का है। यहां 246 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। जमशेदपुर में 210, बोकारो में 200 व धनबाद में 190 लोगों ने हादसों में अपनी जिंदगी गवां दी। जामताड़ा में सबसे कम लोगों की मौत हुई है। यहां 49 लोग सड़क हादसों का शिकार हुए हैं।

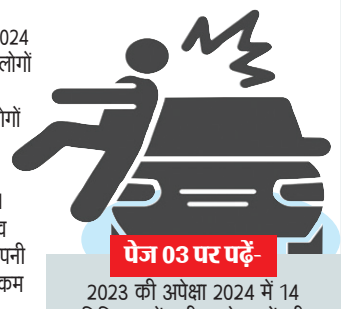

पेज 03 पर पढ़ें-
2023 की अपेक्षा 2024 में 14 डिस्ट्रिक्ट में बढ़ी मरने वालों की तादाद, 10 जिलों में आई कमी

SHARE

सेंसेक्स	:	82,948.23
निफ्टी	:	25,377.55

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकी गिरफ्तार

SRINAGAR : बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके से आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर त्राल इलाके में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुदासिर अहमद नाइक, उमर नजीर शेख, इनायत फिरदौस और सलमान नजीर लोन के रूप में हुई है। उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए लोग त्राल और अवंतीपोरा इलाकों में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों को रसद और अन्य सहायता मुहैया कराते थे।

संभल हिंसा में और 91 उपद्रवियों की हुई पहचान

SAMBHAL : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित विवादित जामा मस्जिद सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के 91 उपद्रवियों की पहचान हो गई है। उनकी तलाश में पुलिस दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने दावा किया है कि हिंसा में शामिल आरोपी युवाओं में से कई लोगों का ठिकाना दिल्ली में है। दिल्ली के बाटला हाउस से संभल निवासी अदनान को 23 दिसंबर को पुलिस गिरफ्तार करके यहां लाई थी। इस गिरफ्तारी से पहले पुलिस को कई आरोपितों के बाटला हाउस में होने की सूचना थी। पुलिस कार्रवाई के दौरान एक ही आरोपित मिला था। हिंसा में 2750 से ज्यादा आरोपित हैं, जिसमें से तीन महिला समेत 51 उपद्रवियों को जेल भेजे जा चुका है।

मातम में बदला नए साल का जश्न, गांव में मची चीख-पुकार

हजारीबाग में कुएं में डूबकर पांच युवकों की चली गई जान

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : नव वर्ष के जश्न के बीच चरही के सड़वाहा गांव से मातम भरी खबर सामने आई है। यहां पत्नी के मायके जाने की जिद से नाराज पति ने बाइक को कुएं में डाल कर उसमें छलांग लगा दी। सबसे अफसोजनक बातें यह है कि सूचना पर जान बचाने पहुंचे दो सहोदर भाई समेत चार युवकों की भी मौत कुएं में दम घुटने से हो गई। जान बचाने के लिए कूदे चारों युवक तैराक थे। लेकिन कुएं में फैली गैस की वजह से बाहर नहीं निकल सके। कुएं में एक ही साथ पांच युवकों की डूबने से मौत हो जाने की खबर के बाद कोहराम मच गया। घटना दिन के करीब एक से दो के बीच की है।

पत्नी से नाराज होकर जान देने वाला युवक सुंदर करमाली है। उसे बचाने के क्रम में अपनी जान गंवाने वाले युवक सड़वाहा के ही 25 वर्षीय सूरज भुइयां, पिता- महावीर भुईयां, 24 वर्षीय राहुल करमाली, पिता- स्व. रवि करमाली, सहोदर भाई 20 वर्षीय विनय करमाली और 22 वर्षीय पंकज करमाली, पिता- गोपाल करमाली है।

ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को दी सूचना

आनन-फानन में ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से सीढ़ी लगाकर शव को बाहर निकाला और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर चरही थाना की पुलिस ने एंबुलेंस से सभी की शिनाख्त कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को शेख भिखारी मेडिकल कालेज भेज दिया।

पत्नी जाना चाहती थी मायके, नाराज पति ने बाइक कुएं में डाल लगाई छलांग

- बचाने गए जुड़वां भाई समेत पांच की मौत, दिन में एक बजे हुई घटना
- चरही के सड़वाहा गांव की घटना, कूदने वाले चारों युवक थे तैराक
- बचाने के लिए एक-एक कर चार युवक कूदे, लेकिन निकल नहीं पाए
- बड़ी मुश्किल से सीढ़ी लगाकर शवों को निकाला गया बाहर

रोते-बिलखते परिजन

बेसुध होकर कुएं में ही पड़े रहे

बचाने के लिए एक-एक कर चार युवक कूदे, लेकिन सभी निकल नहीं पाए। कुएं में बाइक के पेट्रोल से गंध बहुत निकल रही थी। दम घुटने के कारण पांचों लोग बेसुध होकर कुएं में ही पड़े रह गए। कुएं का पानी निकालने के लिए ग्रामीणों ने चार पंप का सहारा लेकर पानी निकाले। तब सीढ़ी के सहारे से एक-एक कर निकाला गया। तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना के बाद परिजन सदमें में है, इनका रो-रोकर बुरा हाल है।

पत्नी को नहीं जाने देना चाहता था मायके

घटना की खबर फैलते ही गांव में कोहराम मच गया। जो जहां था, वहां से घटनास्थल पहुंच गया। घटना की बाबत बताया जाता है कि सुंदर करमाली और उसकी पत्नी के बीच से झगड़ा मायके जाने को लेकर प्रारंभ हुई। सुंदर करमाली की पत्नी रूपा देवी नए वर्ष में अपनी मायके जाना चाहती थी। सुंदर नहीं जाना चाहता था। बात बिगड़ गई और वह नाराज होकर घर के सामने ही बने कुएं में अपनी स्प्लेंडर प्रो को गिरा कर खुद कूद गया। पत्नी और परिजन हल्ला मचाए तो पूरा गांव दौड़ पड़ा।

जमशेदपुर में पेड़ से टकराई हाई स्पीड कार, 2 युवकों की हुई मौत, एक जख्मी

PHOTON NEWS JSR : न्यू ईयर की पार्टी मनाने निकले 3 दोस्तों की कार मंगलवार की देर रात देर रात पेड़ से टकरा गई, जिसमें 2 की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। घटना टेल्को थाना क्षेत्र के सुमंत मूलगावकर स्टेडियम के पास हुई। मृतकों की पहचान टेल्को बैंक ऑफ इंडिया के पास क्वार्टर नंबर के2-15 में रहने वाले रोशन कुमार (20) और छोटा गोविंदपुर निवासी आयुष चौहान (23) के रूप में हुई है। 31 दिसंबर और 1 जनवरी की मध्यरात करीब दो बजे हुई इस दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी आयुष मिश्रा (20) के दोनों पैर टूट गए हैं। टीएमएच में उसका इलाज चल रहा है। परिजनों ने बताया कि रात करीब 11.30 बजे वह घर से बाइक लेकर घूमने निकला था। फिर तीनों दोस्त एक जगह पर मिले। उसके बाद रोशन कुमार ने अपनी बलेनो कार निकाली और तीनों उस कार में सवार होकर पार्टी मनाने के लिए निकल गए।

न्यू ईयर की पार्टी मनाने के लिए एक साथ निकले थे 3 दोस्त

मृतकों में एक बाइक से निकला था घूमने, रास्ते में रोशन की कार पर हो गया सवार, टेल्को थाना क्षेत्र के सुमंत मूलगांवकर स्टेडियम के पास हुआ हादसा

पेज 02 पर पढ़ें-
हादसों से हिला झारखंड, नववर्ष के उत्साह में खलल

न्यू ईयर के पहले दिन मोदी सरकार ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा

AGENCY NEW DELHI : नए साल के पहले दिन बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग हुई। इसमें मोदी सरकार ने देश के किसानों के लिए दो बड़े फैसले लिए। फसल बीमा योजना के आवंटन को बढ़ाकर 69,515 करोड़ रुपये करने को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। कहा कि इस निर्णय से 2025-26 तक देशभर के किसानों के लिए गैर-रोकथाम योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी। इसके अलावा योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग से पारदर्शिता और दावों की गणना तथा निपटान में वृद्धि होगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 824.77 करोड़ रुपये की राशि के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (एफआईएटी) के निर्माण को भी मंजूरी दी है। इस कोष का उपयोग योजना के तहत प्रौद्योगिकी पहलों जैसे यस-टेक, विंड्स आदि के साथ-साथ अनुसंधान और विकास अध्ययनों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

कैबिनेट ने फसल बीमा योजना के लिए धनराशि बढ़ाने के प्रस्ताव को दी हरी झंडी

- इस मद में आवंटन बढ़ाकर कर दिया 69,515 करोड़ रुपये
- आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में किसानों को मिलेगी मदद

डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ का पैकेज

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने डीएपी फर्टिलाइजर के लिए 3,850 करोड़ रुपये का एकमुश्त पैकेज दिया है। किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की दर से डीएपी उर्वरक मिलता रहेगा। अतिरिक्त लागत सरकार वहन करेगी। कैबिनेट ने किसानों को किफायती कीमतों पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक एनबीएस सब्सिडी से परे डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि भू-राजनीतिक कारणों से डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं लेकिन अतिरिक्त खर्च सरकार वहन करेगी। मंत्री ने बताया कि लाल सागर जैसे प्रमुख समुद्री मार्ग संघर्षों के कारण असुरक्षित हैं। मालवाहक जहाजों को भारत में उर्वरक लाने के लिए केप आफ गुड होप के रूट का इस्तेमाल करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का भारत में उर्वरकों की कीमत पर असर पड़ेगा। 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को कोविड और युद्ध संबंधी व्यवधानों के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव का खमियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ थी, जो 2004-14 (5.5 लाख करोड़ रुपये) से दोगुनी है। मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम में ब्लॉक स्तर पर स्वचालित मौसम स्टेशन और पंचायत स्तर पर स्वचालित वर्षा गेज स्थापित करने की परिकल्पना की गई है।

प्रगति की तस्वीर आत्मनिर्भरता और विकास के लिए आईटी मंत्रालय ने की अहम पहल

वर्ल्ड टेक्नोलॉजी का हब बनाने के लिए बढ़े भारत के कदम

AGENCY NEW DELHI : आत्मनिर्भर और विकसित भारत को धरातल पर उतारने के लिए कुछ वर्षों में मोदी सरकार ने कई स्तरों पर बुनियादी काम शुरू कर दिया था। साल 2024 तक यह बुनियाद मजबूत हुई और अब भारत वर्ल्ड टेक्नोलॉजी का हब बनने के रास्ते पर एक प्रकार से अपने कदम आगे बढ़ाने लगा है।
इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय विगत वर्ष में भारत के डिजिटल ढांचे को मजबूत करने के लिए कई प्रमुख पहल शुरू की। इनका फोकस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर निर्माण और कौशल विकास पर रहा। इन पहलों का उद्देश्य भारत को दुनिया का तकनीकी हब बनाना और अत्याधुनिक नवाचारों को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ और सरल बनाना है।
मंत्रालय की मानें तो सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत भारत ने सेमीकंडक्टर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी। सरकार का यह कदम देश के वैश्विक सेमीकंडक्टर केंद्र बनने की भारत की प्रतिबद्धता की तरफ इशारा करता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कौशल विकास पर विशेष फोकस महत्वपूर्ण

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत चतुर्दिक कोशिशों का दिखने लगा प्रभाव

- डिजिटल ढांचे को मजबूती प्रदान करने को हर स्तर पर किया गया काम
- कई प्रस्ताव किए गए मंजूर, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने का प्रयास जारी
- बिजली को प्रवाहित करने और इसे रोकने में सक्षम होते हैं सेमीकंडक्टर
- सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का दिमाग कहे जाते हैं अर्धचालक

भविष्य में हर महीने 50 हजार सिलिकॉन वेफर्स का होने लगेगा उत्पादन

टीईपीएल का ताइवान के साथ समझौता

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) ने ताइवान की पीएसएमसी के साथ साझेदारी में 91,526 करोड़ रुपये के निवेश से सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन (फैब) सुविधा के लिए मंजूरी ली। यह सुविधा हर महीने 50 हजार वेफर स्टार्ट्स यानी सिलिकॉन वेफर्स का उत्पादन करेगी।

सेमीकंडक्टर चिप के लिए तीन ओएसएटी सुविधाएं

टीईपीएल को 27,120 करोड़ रुपये के निवेश से एक आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा के लिए मंजूरी दी गई। यह रोजाना 4.8 करोड़ सेमीकंडक्टर यूनिट का उत्पादन करेगी। वैश्विक भागीदारों के साथ सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लि. को 7,584 करोड़ के संयुक्त उद्यम के तहत ओएसएटी सुविधा के लिए मंजूरी दी गई। यह रोजाना 1.57 करोड़ चिप का उत्पादन करेगा। केनेस टेक्नोलॉजी इंडिया लि. को गुजरात के साणंद में 3,307 करोड़ के निवेश से एक ओएसएटी सुविधा स्थापित करने की मंजूरी मिली, जो रोजाना 60.30 लाख चिप्स बनाएगी।

पिता के साथ मिलकर युवक ने होटल में मां व 4 बहनों को मार डाला

LUKHNOW : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के होटल शरणजीत में एक युवक ने अपने पिता के साथ मिलकर अपनी मां और 4 बहनों को मौत के घाट उतार दिया। आगरा जिले के निवासी आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि मोहल्ले वाले इनके परिवार को परेशान कर रहे थे। इसको डर था कि अगर इसे कुछ हो गया तो इनकी मां और बहन का क्या होगा, इसलिए उसने उनको मार देने का फैसला किया। पुलिस उपायुक्त मध्य रवीना त्यागी ने बताया कि आरोपु अरशद आगरा जिले के इस्लामनगर में पिता बदर, मां अस्मा, बहनों- आलिया (9), अल्शिया (19), अक्सा (16) और रहमीन (18) के साथ रहता है। वह मोहल्ले वालों को यह बताकर घर से निकला था कि अजमेर जा रहा है। 30 दिसंबर को यह सभी लखनऊ आए और नाका इलाके में बने होटल शरणजीत में कमरा 109 में रह रहे थे।

2025 में जस्टिस डॉ. एसएन पाठक भी हो जाएंगे रिटायर

इस साल झारखंड हाईकोर्ट को मिल सकते हैं नए जज

PHOTON NEWS RANCHI : साल 2025 में झारखंड हाईकोर्ट को नए जज मिलने की उम्मीद है। हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 25 है। लेकिन, फिलहाल 18 न्यायधीश ही कार्यरत हैं। साल 2024 में जस्टिस रत्नाकर भेंगरा और जस्टिस सुभाष चंद रिटायर हो गए। इस साल एक और न्यायाधीश जस्टिस डॉ. एसएन पाठक भी सेवानिवृत हो जाएंगे। इसके बाद सीटिंग जजों की संख्या घटकर 17 हो जाएगी। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस वर्ष झारखंड हाईकोर्ट में नए जजों की नियुक्ति की जाएगी। हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार बताते हैं कि हाईकोर्ट में स्वीकृत जजों की संख्या 25 है।

- टोटल स्वीकृत पदों की संख्या है 25, अभी काम कर रहे 18 न्यायाधीश
- साल 2024 में जस्टिस रत्नाकर भेंगरा और जस्टिस सुभाष चंद हुए सेवानिवृत्त

रैश ड्राइविंग व हेलमेट नहीं पहनने के कारण युवाओं की जा रही जान

हादसों से हिला झारखंड, नववर्ष के उत्साह में खलल

PHOTON NEWS TEAM JHARKHAND : एक तरफ जहां देश और दुनिया में नववर्ष का स्वागत पूरे हर्षोल्लास से किया गया, वहीं झारखंड के अलग-अलग जिलों में हुई कई दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं ने उत्साह में खलल डालने का काम किया। इन दुर्घटनाओं में कई युवाओं ने अपनी जान गंवा दी। अधिकांश मामलों में दुर्घटनाओं की वजह लापरवाही और सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी रही। कुछ जगहों पर ड्रंक एंड ड्राइव की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। अलग-अलग इलाकों की पुलिस हादसों की जांच करने में जुटी हुई है। वहीं पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसों की सूचना आने के बाद कई इलाकों में मातम छा गया। मरने वाले लोगों के परिजनों को ढाढस बंधाने के लिए रिश्तेदार और आसपास के लोगों के पहुंचने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

खूंटी : सड़क हादसे में दो की गई जान

AGENCY KHUNTI : नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को दो बाइकों के बीच हुई सीधी भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गयी। जिले के मुरहू थाना क्षेत्र के पंजाबी कोठी पुल के मोड़ के पास बुधवार को बुलेट(जेएच01ईपी 7162) और होंडा साइन(जेएच 01बीसी 1827) के बीच हुई सीधी टक्कर में होंडा साइन पर सवार सोएब भुइयां (25) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बुलेट पर सवार सुधांशु कुमार जयसवाल(20) की मौत अस्पताल ले जाने के क्रम में हो गई। सोएब भुइयां पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुदड़ी प्रखंड के सिदमा सोनवा गांव का रहने वाला था, जबकि सुधांशु गोड्डा जिले का रहने वाला था। बुलेट पर सुधांशु

घटनास्थल पर जुटी भीड़

के साथ सवार कांटाटोली रांची निवासी विक्की कुमार और गोड्डा जिले का रहने वाला आकाश कुमार महतो भी गंभीर रूप से घायल हो गए । दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मुरहू थाना के एएसआई रोशन कुमार के साथकई लोग घटनास्थल पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजने में मदद की। जानकारी के अनुसार सोएब भुंइयां अपनी साइन बाइक से खूंटी की ओर जा रहा था, जबकि बुलेट पर सवार सुधांशु , विक्की और आकाश नव वर्ष पर पिकनिक मनाने हिरनी फॉल जा रहे थे।उसके परिवार के अन्य सदस्य कार से हिरणी फॉल जा रहे थे। पंजाबी कोटी पुल के पास दोनों मोटरसाइकिलों के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। बताया गया कि बुलेट चालक सुधांशु कुमार जयसवाल और आकाश कुमार महतो काटाटोली के विक्की के घर पर रहकर पढ़ाई करते थे।

नेतरहाट जा रही बस पुलिया से टकराई, डेढ़ दर्जन यात्री घायल

GHATSILA : थाना क्षेत्र के तमकपाल गांव के समीप बुधवार की सुबह 6 बजे पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिला से नेतरहाट जा रही बस अनियंत्रित होकर भाटाजोड़ नाले की पुलिया से टकरा गई। इस दुर्घटना में महिला, पुरुष, बच्चे समेत 16 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस ने घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने सभी का प्राथमिक उपचार कर आधा दर्जन से अधिक घायल को एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया। घटना के संबंध में बस चालक मोहम्मद निजामुद्दीन ने बताया कि बस में कुल 60 लोग सवार थे। 24 परगना जिले के बेलियाघाटा सहित अलग-अलग जगह के लोग समूह बनाकर पिकनिक मनाने नेतरहाट जा रहे थे। अचानक आंख लग जाने के कारण बस अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है, सभी यात्री वापस ट्रेन से घर लौट गए हैं।

चाईबासा : वाहन पलटने से दो की मौत

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर क्षेत्र में साल के अंतिम दिन मंगलवार की रात में छोटे सवारी वाहन के पलट जाने से दो युवको की मौत हो गई। घटना के बाद दोनों युवक का शव पुलिस बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मुफस्सिल थाना अंतर्गत तिरगोट निवासी 22 वर्षीय अमर सवैया और हरिला निवासी 25 वर्षीय वीर सिंह आलडा दोनों तांतनगर के में पिकनिक मनाने गए थे। देर रात घर वापस आ रहे थे। दोनों छोटे सवारी वाहन की छत पर बैठे थे। अचानक रास्ते में वाहन पलट गया, जिससे दोनों जमीन पर गिर पड़े। इसके साथ ही दोनों वाहन के नीचे दब गए, जिससे

अस्पताल में जुटे मृतक के परिजन ● फोटोन न्यूज

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो युवकों की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा मुख्यालय में नववर्ष के पहले दिन मातम छा गया। बुधवार को एक तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकरा गई, जिससे दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मनोहरपुर के नंदपुर गांव निवासी अमन केराई व मृत्युंजय टोपनो बाइक से टाटा कॉलेज स्थित एक होटल में नाश्ता करने गए थे। वापस के दौरान खुंटकटी मैदान के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक डंपर से बचने के क्रम में एक पेड़ से टकरा गए, जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को घटनास्थल से सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। रात के लगभग 12 बजे पुलिस दोनों शवों को घटनास्थल से सदर अस्पताल लाई।

BRIEF NEWS

कृषि निदेशक ने देखा मत्स्य पालन में नवाचार

HAZARIBAG : कृषि निदेशक ताराचंद ने बुधवार को माधोपुर केज साइट का दौरा किया, जहां उन्होंने मत्स्य पालन में नवाचार देखा। इस दौरान केज कल्चर तकनीक से हो रहे मछली पालन की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित मत्स्य मित्र के साथ इस तकनीक के माध्यम से क्षेत्र में संभावित विकास एवं किसानों की आयवृद्धि पर चर्चा की। माधोपुर केज साइट जिले में मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार का एक बेहतरीन उदाहरण है। कृषि निदेशक के नेतृत्व और मार्गदर्शन से यह पहल क्षेत्र के किसानों को सशक्त बनाने और मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में सहायक होगी। इस दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे।

डीडीसी ने दिव्यांग बच्चों संग मनाया न्यू ईयर

HAZARIBAG : उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने बुधवार को स्पेस्टिक विद्यालय के मानसिक दिव्यांग बच्चों संग न्यू ईयर मनाया। उपविकास आयुक्त ने अपनी पत्नी के साथ बच्चों को मिठाई, केक तथा फल भेंट किया। नए साल के पहले दिन डीडीसी ने सभी बच्चों और संस्था के कर्मियों को नववर्ष की शुभकामना दी। सामाजिक समस्या निवारण एवं कल्याण संस्था द्वारा हुरहुरु, हजारीबाग में इस संस्था का संचालन किया जाता है। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा इनके संचालन के लिए वित्तीय सहयोग भी दिया जाता है। उपहार मिलने से सभी बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद भी उपस्थित थे।

लातेहार में कार व बाइक की टक्कर में तीन की मौत

LATEHAR : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत डिग्री कॉलेज के पास बुधवार को मोटरसाइकिल और कार की सीधी टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। फिलहाल, मृत युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीनों युवक जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक कार से उनकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही तीनों युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस युवकों को एंबुलेंस से अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। लातेहार थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े ने बताया कि मृत युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

धनबाद में हत्या के बाद खूब हुआ बवाल पुलिस ने हंगामा करने वालों पर चलाई लाठी

AGENCY DHANBAD : धनबाद में नए साल 2025 का पहला दिन बहुत अच्छा नही रहा। बुधवार की सुबह एक युवक के शव मिलने के बाद मामला इतना बढ़ा की पुलिस को लाठी चार्ज तक करना पड़ा। मामला धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के विकास नगर की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह नाले में एक युवक का शव मिला। मृतक के पहचान रवि कुमार के रूप में की गई। परिजनों ने बताया कि युवक शादीशुदा है, उसका एक बच्चा है और उसकी पत्नी गर्भवती भी है। युवक कोयला व्यवसायी पप्पू मंडल के यहां काम

घटनास्थल पर लाठी भांजती पुलिस ● फोटोन न्यूज

करता था। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं परिजन आकाश नामक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस उसे हिरास में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं घटना के बाद मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपित को भीड़ को सौंपने की मांग को लेकर बैंक मोड़ थाना के सामने मुख्य सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन करने लगे। इससे सड़क पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। इसके बाद बैंक मोड़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शकारी शांत नही हुए। इसके बाद पुलिस के सब्र का बांध टूट गया और पुलिस ने बिना महिला-पुरुष का भेदभाव किए जमकर लाठियां चटकाई। इस दौरान कई महिला भी घायल हो गई है।

इस दौरान पुलिस ने आरोपित को सुरक्षा के लिहाज से किसी अन्य थाना में शिफ्ट कर दिया है। इस दौरान बैंक मोड़ थाना और उसके आसपास काफी समय तक भगदड़ की स्थिति बनी रही।

हाथियों ने गामीण को कुचलकर मार डाला

KHUNTI : खूंटी जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाथियों ने नववर्ष से पहले ही दिन कर्रा प्रखंड के छोटका केदली गांव में चुनकू बाखला नामक एक ग्रामीण की जान ले ली। जानकारी के अनुसार चुनकू बाखला बुधवार को अपने घर से खेत की ओर जा रहा था। रास्ते भी उसका सामना एक जंगली हाथी से हो गया। जंगली हाथी ने अपनी सूंढ़ से उसे उठाकर पटक दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही खूंटी के झामुमो विधायक राम सूर्या मुंडा छोटका केदारी गांव पहुंचे और मामले की जानकारी ली। गांव से ही उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को मामले की जानकारी दी।

रामगढ़ में लाखों रुपये के जेवरात और नकद की चोरी

RAMGARH : रामगढ़ थाना क्षेत्र के रामानगर के एक बंद घर से चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दी है। जानकारी के अनुसार तुलसी अग्रवाल उर्फ पिंटू अपने सपरिवार के साथ 24 दिसंबर को नेपाल घूमने गए थे। अपने घर की देख भाल के लिए राम राजा सिंह को रात में घर मे सोने के ललिए बोलकर गये थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को 8.40 बजे घर पर चोरी होने की सूचना राम राज सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि रात को मेन गेट ताला खोल कर जब वह अंदर प्रवेश किया तो चैनल गेट सहित अंदर के सभी दरवाजों का ताला टूटा हुआ था, मैं उसे वक्त गोरखपुर में था और सूचना मिलते ही, वहां से रामगढ़ के लिए निकला। दोपहर 12:30 के करीब घर पहुंचकर पर पाया कि अज्ञात चोरों ने मेरे घर पर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरी की

सूचना उन्होंने रामगढ़ पुलिस को दी। सूचना पाकर रामगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर अरविंद सिंह और आशुतोष सिंह पहुंचकर मामले की जानकारी घर वालों से ली। साथ ही मामले की छानबीन में जुट गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने फिंगरप्रिंट टीम को इसकी जानकारी दी और घटनास्थल पहुंचकर साक्ष्य जुटाने में जुट गई। पिंटू अग्रवाल ने बताया कि घर में रखे करीब डेढ़ लाख नकद, चांदी के पूजा के बर्तन एवं सिक्के जिसका वजन करीब 800 ग्राम, सोने की अगूंठी सहित अन्य सामानों की चोरी हुई है।

उपायुक्त ने बुजुर्गों में कंबल व खाद्य सामग्री का किया वितरण

KODERMA : नए साल के पहले दिन बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने झुमरीतिलैया नगर परिषद स्थित वृद्धा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच बिताया। उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से उनका हाल-चाल जाना और वृद्धों के बीच कम्बल और खाद्य सामग्री वितरित किया। उन्होंने वृद्धों से वृद्धाश्रम में होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी भी ली। इसके पश्चात उन्होंने कोडरमा स्टेशन स्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही वहां मौजूद सभी जरूरतमंदों के बीच कम्बल एवं खादय सामग्री का वितरण किया। उन्होंने जिलेवासियों को नए साल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे में ये वृद्ध अकेलापन महसूस न करें, इसलिए वे इनके बीच पहुंचकर कम्बल एवं खाद सामग्री का वितरण किये है।

डीईओ को झामुमो नेता ने कार्यालय में घुसकर धमकाया, प्लस टू के प्रिंसिपल को भी दी धमकी

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का गृह जिला है। यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता अब अधिकारियों को धमकाने का काम कर रहे हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम को उनके कार्यालय में घुसकर धमकाया गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। यहां तक की गोला प्रखंड के प्लस टू उत्क्रमित विद्यालय डिमरा के प्राचार्य और शिक्षकों को भी धमकी दी गई। यह पूरा मामला तब उजागर हुआ जब जिला शिक्षा पदाधिकारी ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह सारे अनैतिक कार्य झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता श्रवण कुमार पटेल के जरिये किया गया है। इस मामले में अब कानूनी कार्यवाही आवश्यक

है। उनके जरिये विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों को पहले भी धमकी दी जाती रही है। इसके बाद वे जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में घुसकर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने जैसी हरकत भी कर चुके हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि 28 दिसंबर को गोला प्रखंड के डीमरा गांव निवासी श्रवण कुमार पटेल ने कार्यालय में प्रवेश कर सरकारी कार्य में बाधा डाली और अभद्र व्यवहार किया। साथ ही अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। श्रवण पटेल ने स्वयं को नेता बताते हुए कथित रूप से मंत्री के प्रभाव का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एवं कार्यालय कर्मचारियों को धमकाया। डीईओ ने रामगढ़ थाने में श्रवण कुमार पटेल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि श्रवण मुख्यमंत्री के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कर डीईओ का तबादला किसी कनिष्ठ पद पर करा देंगे या उन्हें कॉलेज प्रिंसिपल के रूप में नियुक्त कर देंगे। डीईओ ने बताया कि इसी तरह की एक घटना चार सितंबर को भी हुई थी? इसमें श्रवण पटेल ने धमकियां दी और कार्यालय परिसर के भीतर अनुचित आचरण किया। साथ ही लिपिक का स्थानांतरण उनके अनुसार करने का दबाव डाला था।

वर्ष 2025 के पहले दिन पूरे राज्य में रहा खुशी का माहौल, आतिशबाजी कर किया नए साल का स्वागत

नववर्ष के पहले दिन सैलानियों से भरे रहे खूंटी के पर्यटन स्थल

AGENCY KHUNTI : नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को खूंटी जिले के सभी पर्यटन स्थल सैलानियों से गुलजार रहे, जबकि धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हिंदुओं ने जहां मंदिरों, देवी मंडपों और अन्य धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना कर अंग्रेजी नव वर्ष की शुरूआत की, वहीं मसीही विश्वासियों ने गिरजा घरों में प्रार्थना कर अपनी दिनचर्या की शुरूआत की। जिले के प्रसिद्ध पंचघाघ जलप्रपात, पेरवाघाघ, रानी फॉल, रीमिक्स फॉल, पांडुपुड़िंग, उलूंग जलप्रपात, लतरातू डैम, लटरजंग डैम, तजना नदी सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पंचघाघ, पेरवाघाघ जैसे पिकनिक स्थलों पर तो भीड़ इस कदर उमड़ पड़ी

पिकनिक मनाने जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

कि लोगों को खाना बनाने और बैठने के लिए जगह तलाशने में काफी समय गुजारना पड़ा। कहीं लोग डीजे की धुन पर थिरक रहे थे, तो वहीं पकवानों की सुंगध आ रही थी। लोगों ने परिवार और मित्रों के संग नववर्ष का जमकर आनंद उठाया। ठंड के बावजूद जलप्रपात आए सैलानियों के उत्साह में कोई कमी नहीं रही। सैलानी जलप्रपात के ठंडे पानी में मस्ती करते हुए स्नान करते रहे। पंचघाघ में झरने के नीचे बनाए गए स्विमिंग पूल में सैलानी घंटो जल क्रीड़ा करते रहे। पर्यटन स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए समुचित मात्रा में सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। साथ ही आने जाने वाले मार्गों पर भी विशेष चौकसी बरती जा रही थी। वहीं दूसरी ओर बाबा आम्रेश्वर धाम सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ नववर्ष के मौके पर सोमवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम, जिला मुख्यालय के पुरातन महादेव मंडा, सोनमेर मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजन अर्चन के लिए सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। साल के पहले दिन लोगों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर अपने और परिवार की समृद्धि की कामना की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से समाज में बढ़ता है मेल-जोल : अमित सिन्हा

RAMGARH : रांची रोड स्थित गंगा रेजेंसी में नववर्ष की पूर्व संध्या पर निधि इवेंटस के जरिये धूम मचाले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि समाज सेवी अमित कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि नंदकिशोर गुप्ता, विनोद कुमार, रंजन फौजी, हरि रत्नम साहू एवं निधि इवेंटस के राजू कैथ मौजूद थे। अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। गणेश वंदना से कार्यक्रम आरंभ हुआ। धूम मचाले कार्यक्रम के दौरान कोलकाता से आए प्रसिद्ध डीजे श्रेया ग्रुप के जरिये पेश गीत और नृत्य में उपस्थित लोग थिरकने को विवश हो गए। इस क्रम में ग्रुप ने बेहतरीन गायन और नृत्य का नमूना पेश किया। डीजे ग्रुप के कार्यक्रम से उपस्थित लोग इतने मंत्रमुग्ध हो गए की कार्यक्रम के दौरान घंटो थिरकते रहे। इस दौरान गायक दिप्ती और पार्थो प्रतीम के जरिये एक से बढ़कर एक गाने पेश किए गए।नटराज ग्रुप के कलाकरों जरिये एक से बढ़कर एक डांस पेश किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि समाज सेवी अमित कुमार सिन्हा ने लोगों को नववर्ष की शुभकामाएं देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम का काफी महत्व है। क्योंकि इस तरह के कार्यक्रमों से जहां लोगों में उत्साह का संचार होता है वहीं, लोगों के बीच आपसी मेलजोल भी बढ़ता है।

नववर्ष पर खूब दिखा उत्साह पिकनिक स्पॉट रहे गुलजार

मैदान में पिकनिक मनाते लोग ● फोटोन न्यूज

AGENCY LOHARDAGA : नव वर्ष 2025 का स्वागत को लेकर लोगो में भारी उत्साह देखा गया। किस्को,सेन्हा, कुडू और पेशरार प्रखण्ड क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट मे लोगो की काफी भीड़ देखने को मिली। दिन भर पिकनिक स्पॉट गुलजार रहा, पिकनिक स्थल पर तरह तरह के पकवान के साथ लोग डीजे के धुन पर थिरकते नजर आए। बच्चे बूढ़े, महिलाएं सभी पिकनिक स्पॉट पर पहुंचकर विभिन्न प्रकार के भोजन बनाकर उसका लुत्फ उठाते देखे गए। किस्को प्रखण्ड के बंजारी डैम, बगडू पहाड़, लावापनी जलप्रपात, केकरांग जलप्रपात, पाखर, देवदरिया, चोरगाई सहित अन्य स्थानों के पिकनिक स्पॉट पर लोगो ने जाकर पिकनिक का लुत्फ उठाया। किस्को प्रखण्ड क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट पर किस्को के आलावे, लोहरदगा, कुडू,भंडरा,सेन्हा सहित अन्य जगहों से भी लोग पहुंचे थे। साथ ही लोग यहां के मनोरम दृश्य को देख प्रफुल्लित हुए।

BRIEF NEWS

राज्यपाल को हेमंत सोरेन व कल्पना ने दी बधाई

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राजभवन में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने मुलाकात की। दोनों ने राज्यपाल को नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

गवर्नर और सीएम ने सभी को दी नव वर्ष की बधाई

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नव वर्ष पर सभी को बधाई दी है। राज्यपाल ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि नववर्ष आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, अपार खुशियां, सफलता और समृद्धि लेकर आए, यही मेरी हार्दिक कामना है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कहा है कि राज्य के अमर वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों के सपनों तथा राज्यवासियों के आकांक्षाओं को साकार करते हुए सोना झारखंड का निर्माण हमें मिलकर करना है। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचकर हम उन्हें राज्य के सर्वांगीण विकास का हिस्सा बनाने का भी काम करेंगे। उन्होंने कहा है कि सभी के सहयोग से आने वाले समय में बेहतर और दूरदर्शिता के साथ राज्य आगे बढ़ेगा। नववर्ष 2025 आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सुख-शांति लाए। सभी स्वस्थ रहें, यही कामना करता हूं।

शहर में लगाया गया एक अपराधी का वांटेड पोस्टर

RANCHI : रांची के पंडरा थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड और फायरिंग मामले में शामिल अपराधियों के धर पकड़ के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। 3 दिन बीत जाने के बाद भी रांची पुलिस के हाथ कोई भी अपराधी नहीं लग पाया है। ऐसे में अब रांची पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए आम लोगों से सहयोग मांगा है। पुलिस के द्वारा लूट और फायरिंग मामले में शामिल एक अपराधी की तस्वीर को शहर भर में चस्पा की है। वांटेड पोस्टर में अपराधी की दो तस्वीर लगाई गई है और अपील की गई है कि अपराधी की सूचना जो भी देगा उसे 20 हजार का इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम-पता गुप्त रखा जाएगा।

इस साल से पारा शिक्षकों को मिलेगा बढ़ा मानदेय

RANCHI : राज्य के 59 हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापक) के लिए खुशखबरी है। नए साल में जनवरी से चार फीसदी बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। स्कूली शिक्षा विभाग ने अगले तीन साल यानि 2027 तक के लिए बढ़ोत्तरी की राशि तय कर दी है। जनवरी 2025 से छठी से आठवीं में पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 25,200 रुपए मिलेंगे। जनवरी 2025 में वर्ग एक से पांचवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 23,530 रुपए मिलेंगे। सिर्फ प्रशिक्षित शिक्षकों छठी से आठवीं तक को पढ़ाने वालों को 20,384 रुपए मिलेंगे।

केके वर्मा को फिर दिया गया एक्सटेंशन

RANCHI : झारखंड ऊर्जा संरचरण निगम के एमडी, जेरेडा के निदेशक व जेबीवीएनएल के कार्यकारी निदेशक केके वर्मा को एक वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया है। इससे पूर्व केके वर्मा को सेवानिवृत्ति के बाद तीन वर्षों का अवधि विस्तार देते हुए उपरोक्त पदों पर नियुक्त किया गया था। इसमें एक वर्ष का अवधि विस्तार देते हुए वर्मा की नियुक्ति 31 दिसंबर 2025 तक के लिए या अगले आदेश तक के लिए की गयी है।

फोटोन एक्सक्लूसिव... 2023 में जनवरी-नवंबर तक 3793 लोगों की सड़क हादसे में मौत

2023 की अपेक्षा 2024 में 13 डिस्ट्रिक्ट में बढ़ी मरने वालों की तादाद, 09 जिलों में आई कमी

SUHAIB ANSARI @ RANCHI

झारखंड में 11 महीनों में 3700 लोगों की सड़क हादसे में मौत हुई। 2024 में हुए सड़क हादसों में एक तरफ कई जिलों में मरने वालों की संख्या बढ़ गई है, तो दूसरी तरफ कई जिलों में मामूली कमी आई है। राज्य में 14 जिलों में मरने वालों की संख्या बढ़ गई है। 10 जिलों में मृतकों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। यह फर्क 2023 की तुलना में है। बता दें कि 2023 में जनवरी लेकर नवंबर तक राज्य में 3793 लोग सड़क हादसे का शिकार हो चुके हैं। सड़क हादसा का एक मुख्य कारण है शराब को सेवन। लोग अक्सर शराब पीकर वाहन चलाते हैं और नियंत्रण खो देते हैं। इसको लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। देर रात तक एंटी अल्कोहल जांच भी चल रही है। ब्रेथ एनालाइजर से वाहन चालकों की जांच की जा रही है। शराब पीकर पकड़े जाने पर कार्रवाई भी हो रही है। दूसरी तरफ सड़कों के जानलेवा गड्ढे भी हादसों को दावत दे रहे। प्रमुख जगहों की सड़कों में बने गड्ढे हिचकोले खाने को मजबूर करते हैं। अचानक ब्रेक लगाने के चक्कर में वाहन अनियंत्रित भी हो जाता है। इससे भी हादसे हो रहे हैं। इसके अलावा सड़कों पर आधे-अधूरे निर्माण कार्य, खराब ट्रैफिक सिग्नल, सड़क पर गलत पार्किंग, सड़क पर खड़े वाहन, यातायात नियमों का उल्लंघन भी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में लगातार वृद्धि से यह स्पष्ट होता है कि राज्य में ट्रैफिक व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौतियां हैं।

जोश में होश खो रहे लोग, दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन रहा रैश ड्राइविंग

इसे रोकने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाती रहती है पुलिस

यहां बढ़ी संख्या

जिला	2023	2024
रांची	458	485
सिमडेगा	332	111
हजारीबाग	243	246
जमशेदपुर	191	210
बोकारो	194	200
रामगढ़	182	183
गुमला	181	188
सरायकेला	152	159
गढ़वा	127	130
चाईबासा	113	168
चतरा	92	104
पाकुड़	63	68
लोहरदगा	62	79

यहां आई कमी

जिला	2023	2024
धनबाद	283	190
गिरिडीह	253	214
पलामू	197	190
देवघर	148	132
लातेहार	118	93
खूंटी	113	110
गोड्डा	90	74
कोडरमा	74	69
साहेबगंज	65	58
जामताड़ा	62	49

इतनी मात्रा में अल्कोहल पाए जाने पर होती है कार्रवाई

प्रति 100 एमएल ब्लड में 0.3 प्रतिशत या 30 एमजी से ज्यादा मात्रा में अल्कोहल पाया जाएगा तो मोटर व्हीकल एक्ट सेक्शन 185 के तहत जुमार्ना और सजा दोनों का प्रावधान है। पहली बार शराब का सेवन कर वाहन चलाते पकड़े जाने पर 10 हजार का जुमार्ना और 6 महीने सजा का प्रावधान है। तीन साल के अंदर अगर फिर शराब का सेवन कर पकड़े गए तो 15 हजार जुमार्ना और 2 साल तक की जेल हो सकती है। झारखंड में हर दिन सड़क हादसों में 11 लोगों की मौत गंभीर विषय है। इसको रोकने के लिए लोगों को भी जागरूक होना बेहद जरूरी है। बता दें कि पूरे देश में डायल 112 सिस्टम लागू है। लोगों को इससे जुड़ने की जरूरत है। सड़क हादसों के घायलों को गोल्डेन आवर में अस्पताल पहुंचाकर उनको जीवनदान देने का काम करें। वॉलंटीयर बनकर भी लोगों की जान बचा सकते हैं।

सुधरने का नाम नहीं ले रहे लोग

हादसों का एक प्रमुख कारण है रेस ड्राइविंग। लगातार रेस ड्राइविंग का क्रेज बढ़ रहा है। लोग अक्सर जोश में होश खो देते हैं। रेस ड्राइविंग के दौरान अक्सर लोगों का नियंत्रण वाहन पर नहीं रहता है। इससे भी सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इधर, पुलिस भी रेस ड्राइविंग रोकने के लिए लोगों को जागरूक करती रहती है। समय-समय पर अभियान भी चलाती है। लेकिन, लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं।

हादसे की प्रमुख वजहें

ओवरस्पीडिंग : सड़क हादसे का सबसे बड़ा कारण ओवरस्पीडिंग है। चालक हमेशा गति सीमा की अनदेखी कर देते हैं। इससे नियंत्रण खो जाता है और हादसा होने की आशंका बढ़ जाती है।

शराब पीकर गाड़ी चलाना : शराब पीकर वाहन चलाना हादसों का एक मुख्य कारण है। शराब के सेवन के बाद चालक की प्रतिक्रिया का समय स्लो हो जाता है, निर्णय लेने की क्षमता कम हो जाती है।

खराब सड़कें : खराब सड़कें भी हादसे का बड़ा कारण हैं। यहां कई सड़कें जर्जर स्थिति में हैं, जिनमें गड्ढे और खराब लाइटिंग व्यवस्था शामिल है।

वाहनों की खराब स्थिति : कई वाहनों के टायर, ब्रेक और स्टीयरिंग खराब स्थिति में होते हैं। यह भी दुर्घटना होने का एक कारण है।

ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करना : बाइक चलाते समय कई चालक हेलमेट नहीं पहनते। कार ड्राइव करते समय सीट बेल्ट नहीं लगाते। वाहन चलाते समय मोबाइल यूज करते हैं। चालक अन्य कई ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते हैं। यह भी सड़क हादसा का प्रमुख कारण है।

नए साल का जश्न मनाने के लिए पर्यटक स्थलों पर दिखी रौनक, युवाओं ने खूब की मौज-मस्ती

ठंड के बावजूद डैम-पार्क रहे गुलजार, पहाड़ी मंदिर सहित अन्य पूजा स्थलों पर बड़ी संख्या में जुटे लोग

PHOTON NEWS RANCHI :

नए साल के पहले दिन शहर की सड़कों पर सन्नाटा ही पसरा रहा। हालांकि शहर में सुबह-सुबह मंदिरों में भीड़ रही। नए साल में सैलानियों ने खूब मौज-मस्ती की। पर्यटन स्थलों पर चहल-पहल दिखी। सड़कों पर सन्नाटा दिखा। शहर की आधा से अधिक दुकानें बंद रहीं। लोग नया साल मनाने पार्क में जुटे थे। वहीं, कांके डैम, धुर्वा डैम, रॉक गार्डेन, आक्सीजन पार्क, मोरहाबादी मैदान से लेकर पतरातू डैम तक नए साल का नजारा दिखा। शहर के आस-पास जलप्रपातों पर भी लोगों की भीड़ रही। जोन्हा, हुंडरू, दशम, सीता, हिरनी आदि जलप्रपातों पर लोग पिकनिक मनाते दिखे। मौसम भी खुशगवार था। लोगों ने परिवार संग साल के पहले दिन का आनंद लिया। हर जगह पर सैलानियों की भीड़ देखने को मिली। हर जगह पर सैलानियो के लिए खास देखने को मिला। सैलानियों के स्वागत के लिए पतरातू में विदेशी पंक्षी पहुंचे मिले। साथ ही लोगों ने जमकर स्ट्रीमर का लुफ्त उठाया। राजधानी के आसपास मौजूद कांके डैम, रूक्का डैम, धुर्वा डैम में लोग ठंड हवाओं के साथ स्वदिष्ट व्यंजनों का आनंद उठाते हुए दिखाई पड़े। जबकि नए वर्ष में शहर के पार्क भी सुबह से गुलजार दिखाई पड़े।

जोन्हा, हुंडरू, दशम, सीता आदि जलप्रपातों पर पिकनिक मनाते दिखे लोग

दशम फॉल

पतरातू डैम

कांके डैम में सैलानियों का रहा जमावड़ा

नए साल में कांके डैम में सुबह से ही सैलानियों की काफी भीड़ देखने को मिली। कांके डैम शहर के बीची में होने के कारण शहरवासी आसानी से डैम की खुबसूरती का दीदार करने पहुंचे। डैम में सैलानियों के लिए खाने-पीने के स्टाल लगाए गए हुए थे। चौमिन-चिल्ली, फुचका-चाट के स्टाल पर भी काफी भीड़ देखी गई। रांची के धुर्वा डैम की सुंदरता सबसे सैलानियों के लिए सबसे खास है। हर साल दिसंबर के माह से मार्च तक सैलानियों की काफी होती है। नए साल पर भी धुर्वा डैम में काफी भीड़ देखने को मिली। इस डैम की खुबसूरती देखते ही मिलती है। डैम में दूर-दराज से लोग नहाने तक पहुंचते है। धुर्वा डैम का पानी सबसे साफ और स्वच्छ है। नए साल में पूरे डैम परिसर में सुरक्षा बल की विशेष रूप से तैनाती की गई थी।

कांके डैम

पहले ही तैयार हो चुका था पतरातू डैम

नए वर्ष पर सैलानियों के स्वागत में पतरातू डैम तैयार हो चुका था। मंगलवार को ही पतरातू डैम में हजारों की संख्या में सैलानी उमड़े थे। बुधवार को या सिलसिला जारी रहा। इस दौरान सैलानियों ने पहले पतरातू घाटी का आंनद उठाया। घाटी में पहुंचे सैलानियों ने जमकर घाटी का दीदार किया। साथ ही सेल्फी खींची। इसके साथ ही पतरातू डैम में भी सैलानियों की भीड़ देखने को मिली। सैलानियों ने पतरातू डैम में स्ट्रिमर, नौका बिहार, ब्रेक डांस और खाने-पीने का आनंद उठाया। इस दौरान पतरातू डैम में सैलानियों ने विदेशी पक्षियों की तस्वीर अपने-अपने कैमरे में कैद किया।

गिरजाघरों में मसीहियों ने की प्रार्थना सभा

राजधानी में नए वर्ष के स्वागत में गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। संत मरिया महागिरजाघर में सुबह को मिस्सा किया गया। इस दौरान सभी ने नव वर्ष पर ईश्वर से प्रार्थना किया। लोगों ने ईश्वर का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि हम सभी को नये साल में नया जीवन देने के लिए प्रभु का धन्यवाद देता हूं। हमेशा हमपर प्रभु अपनी कृपा बनाए रखें। वहीं रांची के जीईएल चर्च में वर्ष के पहले दिन सुबह को पवित्र प्रभुभोज किया गया। इसमें पुरोहित जेडी भेंगरा के द्वारा आराधना किया गया। बिशप एसएस तिर्की उपदेशक रहे। संत पाल महापासनालय रांची पेरिस में नए साल का स्वागत प्रभु यीशु की प्रार्थना के साथ किया गया। नव वर्ष पर चर्च में मंगलवार की रात से ही विशेष प्रार्थना की गई।

नगर आयुक्त ने रिम्स और खादगढ़ा बस स्टैंड के आश्रय गृहों का किया निरीक्षण

PHOTON NEWS RANCHI :

बढ़ती ठंड को देखते हुए रांची नगर निगम द्वारा सड़कों पर रात गुजार रहे व्यक्तियों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नगर आयुक्त संदीप सिंह ने बुधवार को रिम्स और खादगढ़ा बस स्टैंड स्थित आश्रय गृह का निरीक्षण किया। इसमें अपर प्रशासक संजय कुमार एवं निगम के अन्य अधिकारी भी शामिल थे। इस दौरान नगर आयुक्त ने आश्रय गृहों में सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और कंबल वितरण किया। नगर आयुक्त ने रिम्स स्थित आश्रय गृह में आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं सफाई, बेड, कंबल, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखने को कहा। इसके अलावा, उन्होंने एनयूएलएम शाखा की टीम को शहर के सभी आश्रय गृहों में नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखते हुए बेघर लोगों को आश्रय गृह में शिफ्ट करने की प्रक्रिया को तेज करने का सुझाव दिया। रिम्स परिसर में अतिक्रमण हटाने के लिए उन्होंने रिम्स प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर वेंडिंग जोन के लिए एक डेडीकेटेड योजना तैयार करने की बात कही।

- एनयूएलएम शाखा की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने का दिया निर्देश

इतने बेड के हैं आश्रय गृह

खादगढ़ा बस स्टैंड	50 (पुरुष), 49 (महिला)
धुर्वा बस स्टैंड	16
एजी मोड़ डोरंडा	10
मधुकम चूना भट्ठा	16
रिम्स परिसर	19
बकरी बाजार	10
कर्बला चौक	10
जगन्नाथपुर मंदिर	16
आइटीआइ बस स्टैंड	10

आत्मनिर्भरता एनटीपीसी और सरकार के बीच पहले ही हो चुका है समझौता

4000 मेगावाट का मिलेगा सुपर थर्मल पावर प्लांट

PHOTON NEWS RANCHI :

नए साल 2025 में झारखंड को 4000 मेगावाट का सुपर थर्मल पावर प्लांट मिलेगा। झारखंड बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा। हालांकि 2024 में ही इस पावर प्लांट को शुरू किया जाना था। राज्य सरकार और एनटीपीसी के साथ हुए समझौते के अनुसार 85 फीसदी बिजली राज्य सरकार को मिलेगी। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया था कि जो भी सहयोग राज्य सरकार को चाहिए केंद्र की ओर से मिलेगा। केंद्र ने यह भी कहा था कि पावर प्लांट को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराने का प्रयास राज्य सरकार करें। पीएम नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2022 को पतरातू पावर प्लांट की ऑनलाइन समीक्षा की थी। इस दौरान पीएम मोदी को झारखंड के मुख्य सचिव ने बताया था कि वर्ष 2024 से पतरातू के निमाणार्धीन 4000 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट से बिजली उत्पादन होने लगेगा।

केंद्र ने किया था वादा, राज्य सरकार को मिलेगी हर तरह की मदद

साल 2024 में ही होनी थी शुरुआत, पीएम मोदी ने की थी समीक्षा

इस वर्ष से ही होने लगेगा बिजली का उत्पादन

अब 2025 में इससे बिजली उत्पादन होने लगेगा। बता दें कि वर्ष 2015 में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड और एनटीपीसी के बीच ज्वाइंट वेंचर कंपनी पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) बनी। वर्ष 2016 में कंपनी को एनटीपीसी हवाले किया गया। इसके बाद इस वर्ष जनवरी में भेल को इसका कायार्देश दिया गया।

एनटीपीसी व जेबीवीयूएनएल 74:26 की शेयरधारक

करार के अनुसार, एनटीपीसी 74 व जेबीवीयूएनल 26 प्रतिशत की शेयरधारक है। जेबीवीयूएनएल पैसा नहीं लगाएगी। कंपनी जमीन, कोयला व पानी देगी। पैसा एनटीपीसी लगाएगी। एनटीपीसी बैंक से लोन लेकर पैसा लगाएगी और झारखंड सरकार का ऊर्जा विभाग इसकी मॉनिटरिंग करेगा।

इस साल से शुरू होगा खूंटी-रांची फोरलेन व बाइपास का निर्माण

RANCHI : लंबे समय से प्रतीक्षित खूंटी-रांची फोरलेन एवं बाइपास मुद्दे पर हो रही राजनीति अब बंद हो जाएगी। भाजपा और कांग्रेस रोजाना इस पर बयानबाजी कर मुद्दे को तूल दिए हुए थे। शिलान्यास के बाद ही जिले में यह एक बड़ा मुद्दा बन गया था। 2024 के आखिरी महीने के आखिरी तारीख को सड़क निर्माण संबंधित भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को लेकर आदेश आ गया है। नए साल के पहले सप्ताह से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। भूमि अधिग्रहण से संबंधित इश्तेहार अखबारों में आते ही खूंटीवासी खुशी से झूम उठे। हर तरफ इसकी चर्चा होने लगी, खुशी हो भी क्यों ना, वर्षों बाद खूंटी बाइपास की ओर कदम आगे बढ़ा है। इसके बनने से आने वाले दिनों में खूंटीवासियों को जाम से मुक्ति मिलने जा रही है।

अनूप बिरथरे, पटेल मयूर, चंदन झा व अनुरंजन किस्पोट्टा को प्रोन्नति

नए साल पर चार आईपीएस को प्रमोशन डीजीपी ने बैज लगाकर किया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI :

नववर्ष के पहले दिन बुधवार को झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यालय कक्ष में नवप्रोन्नत आईपीएस अफसरों को बैज लगाकर सम्मानित किया। इन अफसरों में नवप्रोन्नत पुलिस महानिरीक्षक अनूप बिरथरे, पटेल मयूर कनैयालाल, पुलिस उपमहानिरीक्षक चंदन कुमार झा एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल हैं। नए साल पर इन्हें प्रमोशन का तोहफा मिला है। झारखंड के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 31 दिसंबर को अनूप बिरथरे को पुलिस उपमहानिरीक्षक (रांची) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस महानिरीक्षक (एसटीएफ, झारखंड), पटेल मयूर कनैयालाल को पुलिस उपमहानिरीक्षक (अतिरिक्त प्रभार पुलिस उप महानिरीक्षक रेल, रांची) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस महानिरीक्षक (मानवाधिकार, झारखंड), चंदन कुमार झा को पुलिस अधीक्षक (विशेष शाखा, झारखंड) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस उपमहानिरीक्षक (एसआईबी, विशेष शाखा, झारखंड) एवं अनुरंजन किस्पोट्टा को पुलिस अधीक्षक (अपराध अनुसंधान विभाग, झारखंड) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस उपमहानिरीक्षक (विशेष शाखा, झारखंड) के पद पर पदस्थापित किया गया है।

खरसावां गोलीकांड के शहीदों को सीएम हेमंत ने किया नमन

मुख्यमंत्री ने कहा- हम शहीदों की बदौलत ही जीवित हैं, कल्पना ने भी दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS SERAIKELA : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ बुधवार की दोपहर खरसावां पहुंचे। यहां उन्होंने 1 जनवरी 1948 को हुए खरसावां गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीदों को नमन करने के बाद सीएम ने पत्रकारों से बीते दिनों को याद करते हुए कहा कि आज हम अपने शहीदों की बदौलत ही जिंदा हैं। यह हमारे पूर्वजों की देन है। आज हम जीवित हैं और इस शहीद स्थल पर एकत्रित होते हैं। 77 वर्ष पहले हमारे वीर पूर्वजों की हत्या कर दी गई थी। इन्हीं के बलिदान से झारखंड अलग राज्य बना। सीएम ने कहा कि हमारे शहीदों के वंशज जहां कहीं भी हैं, उनको खोजने का काम मेरी सरकार करेगी। वहीं, मंईयां योजना के मुद्दे पर सीएम ने मजाकिया लहजे में कहा कि आपके खाते में राशि जाएगी, उसके बाद आप फोन कीजिएगा। करीब आधे घंटे तक शहीद स्थल पर रुकने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ राजधानी रांची रवाना हो गए।

खरसावां के शहीद स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन ● फोटोन न्यूज

इस मौके पर मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री रामदास सोरेन, विधायक सविता महतो विधायक जगत माझी, विधायक सुखराम उरांव, सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी सहित झामुमो के अन्य नेता मौजूद रहे।

ज्ञात हो कि एक जनवरी 1948 को इसी स्थान पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत आदिवासियों पर बिहार मिलिट्री पुलिस ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थीं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। उस वक्त समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने इसे आजाद भारत का जालियांवालाबाग कांड कहा था।

सामने से ट्रेन आती देख भी रेलवे ट्रैक पर खड़ा रहा युवक, मौत

GOILKERA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा रेलवे क्रॉसिंग के पास 30 वर्षीय एक युवक ने ट्रेन के सामने आकर खुदकुशी कर ली। ट्रेन के धक्के से बुरी तरह घायल हुए युवक को इलाज के लिए चक्रधरपुर भेजा गया, लेकिन अस्पताल में उसकी मौत हो गई। ट्रेन की चपेट में आकर युवक के दोनों हाथ कट गए थे। इसके साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई थी। घटना मंगलवार शाम 4.50 बजे की है। जानकारी के अनुसार, गोइलकेरा थाना क्षेत्र के गम्हरिया पंचायत अंतर्गत रेला गांव निवासी शैलेंद्र अंगरिया गेट बंद रहने पर पैदल रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहा था। तभी डाउन लाइन पर दुर्ग-आरा दक्षिण बिहार एक्सप्रेस को सामने से आते देख वह रेलवे ट्रैक पर खड़ा हो गया। ट्रेन के धक्के से उसके दोनों हाथ कट गए थे। सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक यमुना प्रसाद साहू व अन्य रेलकर्मी मौके पर पहुंचे। तब युवक की सांसें चल रही थीं। तत्काल डाउन की ओर से आ रही एक अन्य ट्रेन दुरंतो एक्सप्रेस को रोककर घायल युवक को उससे चक्रधरपुर भेजा गया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

सड़क हादसे में घायल कोबरा जवान का निधन, छाया मातम

CHAKRADHARPUR : छत्तीसगढ़ में कोबरा बटालियन में तैनात झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित मनोहरपुर निवासी एक जवान की सड़क हादसे के बाद इलाज के क्रम में मौत हो गई। इस घटना की खबर से मनोहरपुर प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक जवान का नाम चंचल महतो है और वह मनोहरपुर प्रखंड के जराइकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत पारोडीह के रहने वाले थे। चंचल महतो छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा के 210 बटालियन में तैनात थे। कोबरा जवान चंचल महतो कुछ दिनों की छुट्टी पर अपने घर जरायकेला आये हुए थे. बीते 23 दिसंबर को ओडिशा के नुआगांव में एक सड़क हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसके बाद से वे कोमा में थे। उनका इलाज राउरकेला के जयप्रकाश अस्पताल में चल रहा था। परंतु विगत मंगलवार को उनका निधन हो गया। बुधवार को जरायकेला स्थित उनके गांव में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के समय जराइकेला में प्रतिनियुक्त सीआरपीएफ की 134 बटालियन के अधिकारी और जवान मौजूद रहे और दिवंगत जवान चंचल महतो को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए सलामी दी। वहीं परिवार में उनका एक बड़ा और छोटा भाई के अलावा उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। बच्चों में बड़ी बेटी 9 साल की है और छोटा बेटा 6 साल का है। उनकी शादी 2016 में हुई थी। अंतिम संस्कार के दौरान उनके बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान गांव में मातम पसरा हुआ था। इस घटना से सभी दुखी नजर आए। लोग बताते हैं कि चंचल महतो कर्तव्यनिष्ठ और एक बहादुर कोबरा जवान थे। गांव के युवाओं के लिए रोल मॉडल भी थे। उन्हें देखकर गांव के युवा देश की सुरक्षा में जाने के लिए तैयारी करते थे।

समाचार सार

नववर्ष पर घोड़ाबांधा के साई मंदिर में रही भीड़

JAMSHEDPUR : टेल्को के घोड़ाबांधा स्थित श्री साईंनाथ देवस्थानम में धूमधाम से नववर्ष मनाया गया। सुबह 8 बजे विशेष नववर्ष पूजन व बाबा की चारों प्रहर की आरती की गई। श्रद्धालुओं-भक्तों के बीच हलवा का प्रसाद वितरित किया गया। रात्रि 9 बजे सेज आरती के साथ अनुष्ठान का समापन हुआ। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों से साई भक्त पहुंचे थे।

नाइट बुलेट को हरा हेम्ब्रम स्पीड बना विजेता

CHAIBASA : शहीद पोटो हो की याद में चाईबासा सदर प्रखंड अंतर्गत घाघरी गांव में बानरा स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में खिताबी मुकाबला हेम्ब्रम स्पीड और नाइट बुलेट के बीच खेला गया। निर्धारित समय पर दोनों टीमें गोल नहीं कर पायीं। इसके बाद टाईब्रेकर का सहारा लिया गया, जिसमें हेम्ब्रम स्पीड की टीम 1-0 से विजयी रही। विजेता टीम को 20 हजार रुपये नगद के साथ खस्सी और उपविजेता टीम को खस्सी के साथ 15 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। समापन समारोह में मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा मांझी व मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस मौके पर झामुमो नेता सुभाष बनर्जी, सोनाराम देवगम, बानरा स्पोर्टिंग के सतीश बानरा, सोमाय बानरा, कृष्णा बानरा, सोना बानरा समेत सैकड़ों की संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

बदले मार्ग से चलेगी टाटा-हटिया एक्सप्रेस

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनों का परिचालन आगामी सप्ताह में प्रभावित रहेगा। ट्रेन नंबर- 8174/08652 टाटानगर-आसनसोल मेमू 4 जनवरी को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी। यह ट्रेन आसनसोल नहीं जाएगी। वहीं ट्रेन नंबर- 18601 टाटा-हटिया एक्सप्रेस 3 जनवरी को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन सीनी-पुरुलिया-कोटशिला-मुरी के बदले सीनी-गुंडाबिहार-मुरी के रास्ते चलेगी।

पिकनिक स्पॉट रहे गुलजार, थिरकते रहे युवा

CHAIBASA : नए साल के पहले दिन बुधवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के पिकनिट स्पॉट गुलजार रहे। चाईबासा के लुपंगगुटू, कुजू नदी आदि जगहों के साथ चक्रधरपुर के पंपूडैम, बोड़दा पुल, आरई कॉलोनी, महात्मा गांधी पार्क, बटन लेक, केरा मंदिर, मां पाउड़ी मंदिर, मां कंसरा मंदिर, नकटी डैम, हिरणी पाल,में सैलानियों की भीड़ उमड़ी। युवाओं में गजब का उत्साह दिखा। डीजे की धुन पर युवा दिन भर थिरकते रहे। नए साल के स्वागत में लोग सुबह से शाम तक पिकनिक स्पॉट पर जमे रहे। दिन भर मेला सा दृश्य था।

चोरी के बाद घर में बिखरे सामान ● फोटोन न्यूज

घाटशिला में बंद घर से सोना चांदी समेत 15 लाख की चोरी

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में बंद घर से चोरी का मामला सामने आया है। इसमें चोरों ने सोने-चांदी सहित करीब 15 लाख रुपये के सामन चोरी हो गए। चोरों ने घर में लगे पंखे एवं वायरिंग के तार, पलंग, भगवान की मूर्तियां सहित लगभग सभी सामान चुरा ले गए। यह मामला बुधवार की सुबह सामने आया है। गृह स्वामिनी सुजाता राय ने बताया कि उनके पति के निधन होने के बाद से ही वह अपनी बेटी दीपाली राय के पास पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में रहती है। उनके दो पुत्र शांतनु राय गुवाहाटी तथा कृष्णु राय छत्तीसगढ़ में रहते हैं। दोनों ही पुत्र सीआरपीएफ में कार्यरत थे।

घर पर कोई नहीं रहता था। इस घटना की पड़ोसी ने मंगलवार को जानकारी दी कि छत का दरवाजा खुला है। यह खबर सुनकर बेटी दीपाली राय को लेकर घाटशिला आकर देखा कि घर में एक भी सामान चोरों ने नहीं छोड़ा।

रात भर भजनों पर झूमते रहे श्याम भक्त

साकची के अग्रसेन भवन में 'मेरा सांवरिया बड़ा दिलदार...' पर थिरके श्रद्धालु

PHOTON NEWS JSR : शहर की विभिन्न धार्मिक संस्थाओं से जुड़े श्याम प्रेमियों ने पुराने साल 2024 की विदाई और नए साल 2025 का स्वागत बाबा श्याम के दरबार में भजनों के साथ धूमधाम से किया। श्याम प्रेमियों द्वारा नववर्ष सांवरिया के संग मनाने साकची स्थित श्री अग्रसेन भवन में श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया था। मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को बाबा श्याम की पूजा अर्चना, ज्योत प्रज्जवलित सहित श्री गणेश वंदना से भजनों का शुभारंभ हुआ, जो देर रात तक चला। यजमान रश्मि-सुनील अग्रवाल और चंदा-रतन अग्रवाल ने पूजा की और पंडित रामजी पारिक ने पूजा कराई। इस दौरान लॉटरी के माध्यम से तीन भक्तों को बाबा श्याम का खजाना चांदी का सिक्का उपहार स्वरूप भेंट किया गया। इस अवसर पर स्थानीय भजन गायक क्रमशः अनुभव अग्रवाल, महावीर खंडेलवाल, कविता अग्रवाल व प्रेरणा शर्मा द्वारा बाबा श्याम के चरणों में की गई भजनों की अमृतवर्षा ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर भजन गायकों ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है..., चल खाटू के धाम पता नहीं क्या तुझे मिल जाए...., थाली भरकर लाई रे खीचड़ो ऊपर घी की बाटकी..., बांस की बांसुरी पर घनो इतरवा..., मेरा सांवरिया बड़ा दिलदार निकला..., शरण तुम्हारी जो मिल गई है सांवरे..., श्याम धणी को आयो रे बुलावा...., सांवली सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया...., श्याम तेरे भरोसे मेरा परिवार..., काली कमली वाला मेरा यार है...., लाखों पापी तार दिए सुनते हैं सरकार.... आदि भजनों की प्रस्तुति दी।

साकची स्थित अग्रसेन भवन में सजा बाबा श्याम का दरबार व श्रद्धालु

ये रहे मुख्य आकर्षण

इस धार्मिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्याम बाबा का भव्य दरबार, केक कटिंग, छप्पन भोग, अखंड ज्योत, श्याम रसोई प्रसाद, भजनों की अमृत वर्षा रहा। सभी श्याम भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मालूम हो कि इस कार्यक्रम का आयोजन कराने वाले श्याम प्रेमी थे। सैकड़ों श्याम प्रेमी या उनका परिवार न डिस्को गया, ना किसी होटल में गए। इन्होंने अग्रसेन भवन में बाबा के चरणों मे हाजिरी लगाकर एक-दूसरे को नववर्ष 2025 की शुभकामना दी। इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, पंकज छावछरिया, मालीराम अग्रवाल, विकास अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, लालचंद अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, चंदन अग्रवाल, अनिल शर्मा, राजेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, नवीन कंवाटिया, दीपक सपारिया, कौशल अग्रवाल, नंदलाल शर्मा, उदय अग्रवाल आदि का योगदान रहा।

नववर्ष के पहले दिन प्रह्लाद दास मोहता के परिवार ने किया नेत्रदान

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर में साल 2025 की शुरूआत नेत्रदान की परंपरा से हुई। शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व प्रह्लाद दास मोहता के निधन के बाद उनके परिवार ने स्व. मोहता का नेत्रदान किया। बता दें कि प्रह्लाद दास मोहता ने अपनी मृत्यु से पहले यह इच्छा जताई थी कि उनके निधन के बाद उनकी आंखें जरूरतमंद को दान कर दी जाएं, ताकि किसी नेत्रहीन व्यक्ति के अंधकार जीवन को उनकी आंखों की रोशनी मिल सके। इसके लिए उन्होंने रांची रिम्स आई बैंक में मरणोपरांत नेत्रदान के लिए निबंधन कराया था। मोहता का बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन के बाद परिवार वालों को याद आया कि उन्होंने मरणोपरांत नेत्रदान की इच्छा रखी थी। उनकी इस इच्छा की पूर्ति के लिए परिवार वालों ने रांची आई बैंक के पदाधिकारियों से संपर्क किया। इसके बाद रांची आई बैंक के पदाधिकारी सुमन प्रसाद साहू अपनी टीम के साथ चक्रधरपुर के बाटा रोड स्थित मोहता परिवार के घर पहुंची।

दुर्घटना में मृत रेल कर्मचारियों की याद में स्मारक बनाने की मांग

डीआरएम को गुलदस्ता सौंपते रेलकर्मी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ, दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के पदाधिकारियों ने नए मंडल प्रबंधक (डीआरएम) तरुण हुरिया से चक्रधरपुर में मिलकर स्वागत किया। ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ दक्षिण पूर्व रेलवे के महासचिव कृष्ण मोहन प्रसाद के नेतृत्व में ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ के सदस्यों ने डीआरएम से कोविड के दौरान और रेल दुर्घटनाओं में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपनी जान गंवाने वाले रेल कर्मचारियों की याद में एक मेमोरियल बनाने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक को अवगत कराया कि चक्रधरपुर मंडल के रेल कर्मचारी अत्यधिक निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्माण करते हैं, परंतु आज भी वे आवश्यक बुनियादी सुविधाओं वंचित हैं। इस ओर ध्यान देने का आग्रह किया।

वंदेभारत समेत दो दर्जन ट्रेनें बदले समय से चलीं

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने बुधवार से टाटानगर से चलने वाली 17 ट्रेनों के समय में बदलाव किया है। बुधवार से ये सभी ट्रेनें अपने बदले हुए समय से चलीं। रेलवे ने यात्रियों की सुविधाओं के लिए पहले से ही सूचना जारी कर दी थी। इसके साथ ही टिकट बुक कराए यात्रियों को मैसेज से नए समय की जानकारी भी दी। हालांकि कुछ यात्री जिन्हें जानकारी नहीं हो पाई, उन्हें परेशानी भी हुई। इस दौरान टाटानगर एनार्कुलम एक्सप्रेस सुबह 5.15 की जगह 5 बजे खुली। टाटानगर-विशाखापत्तनम सुबह 7.20 के बदले 7.25 बजे खुली। टाटानगर यशवंतपुर शाम 6.15 के बजाय शाम 5.45 बजे खुली। टाटानगर- बेंगलुरु एक्सप्रेस शाम 7.15 के बजाय शाम 5.45 बजे खुली। टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस शाम 7.45 बजे के बदले शाम 7 बजे खुली। टाटानगर-राउरकेला मेमू शाम 3.35 के बदले शाम 5.20 बजे खुली। टाटानगर-ब्रह्मपुर वंदेभारत दोपहर 2.50 बजे के बदले दोपहर 2.30 खुली। टाटानगर-बक्सर सुबह 8.15 के बदले सुबह 7.55 बजे खुली। वहीं टाटा-पटना वंदेभारत ट्रेन सुबह 5.30 के बदले 5.25 बजे खुली। टाटानगर-बदामपहाड़ मेमू ट्रेन सुबह 4 के बदले शाम 4.15 बजे खुली।

वरिष्ठ नागरिकों ने काटा नववर्ष के अवसर पर केक, मनाई खुशी

कदमा-सोनारी लिंक रोड पर खुशी मनाते वरिष्ठ नागरिक ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : वरिष्ठ नागरिक सह मॉर्निंग वाकर्स ग्रुप के सदस्यों ने बुधवार को कदमा-सोनारी लिंक रोड पर हर्षोल्लास के साथ नववर्ष 2025 का स्वागत किया। इस मौके पर ग्रुप के श्रीकांत देव व सुधाकर लाल दास ने संयुक्त रूप से केक काटा। इस मौके पर सदस्यों ने शहर में अमन चैन की भी कामना की। ग्रुप के सदस्यों ने राहगीरों को भी केक खिलाकर नववर्ष की शुभकामना दी। कार्यक्रम में गुलशन सहगल, एसएन मित्रा, रामदेव, भरत भूमिज, एके राय, बुलू राम, जीसी दास, गणेश चौधरी, शंभू सरदार, एचसी महतो, रंजीत सिंह, अजय श्रीवास्तव, एचडी ठाकुर, एस के शर्मा, डॉ. दिनेश कुमार, नरेंद्र सिंह, चंदन लोधी, यशवंत साहू, अशोक सिंह, नरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश सिन्हा आदि भी शामिल थे।

झारखंड व ओडिशा में ज्यादा हो रहा काम : चाणक्य चौधरी

सेंटर फॉर एक्सीलेंस में शहरवासियों को संबोधित करते चाणक्य चौधरी

JAMSHEDPUR : कंपनी के वीपी-सीएस चाणक्य चौधरी ने कहा कि कंपनी की उपस्थिति झारखंड व ओडिशा के अलावा पंजाब व हरियाणा में भी है, लेकिन नागरिकों की सुविधा झारखंड व ओडिशा में सबसे अधिक है। 117 साल के इस शहर को चलाने में प्रशासन व शहरवासियों का पूरा सहयोग मिला है। अभी देश के साथ शहर की आबादी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में हम शहरवासियों से भी उम्मीद करते हैं कि नागरिक सुविधाओं का बेहतर इस्तेमाल हो। साथ ही पर्यावरण मुक्त शहर बनाने में सहयोग करें। जमशेदपुर शहर यूनिक है और आपके सहयोग से आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1991 में उदारीकरण के दौरान भी इस तरह का दौर आया था, लेकिन डॉ. जेजे ईरानी के लीडरशिप में मुस्तैदी से चुनौतियों सामना कर इस मुकाम पर हैं। इससे पहले एमडी, वीपी सीएस और आरएन शर्मा ने नए साल का केक काटा।

टाटा स्टील के ग्लोबल सीईओ सह एमडी ने कहा-चीन की स्थिति भी ठीक नहीं, वह भी घाटे में पूरी दुनिया को बेच रहा उत्पाद

नया साल स्टील उद्योग के लिए रहेगा चुनौतीपूर्ण : टीवी नरेंद्रन

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील के ग्लोबल सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा कि नया साल स्टील उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। यह स्थिति पिछले दो साल से बनी हुई है, जिससे मुनाफा लगातार घट रहा है। एक साल में 15 हजार रुपये दाम कम हुआ है। यह ग्लोबल चुनौती है। हालांकि कंपनी इस तरह की चुनौती वर्ष 2015-16, 2008 और 1990 में भी फेस कर चुकी है। सबका साथ व सहयोग होने पर इस चुनौती से भी निकल जाएंगे। वे बुधवार को कंपनी की ओर से सेंटर फॉर एक्सीलेंस में आयोजित नए साल के केक कटिंग समारोह के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। एमडी ने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए यूके, यूरोप, कनाडा जैसे विकसित देश सक्रिय हो गए हैं। हम भी केंद्र सरकार से इन चुनौतियों से निपटने के लिए सेफ गार्ड ड्यूटी, कस्टम ड्यूटी में रियायत देने की मांग किए हैं। उम्मीद है सरकार इस पर सकारात्मक पहल करेगी और स्थिति संभल जाएगी। हालांकि इसमें थोड़ा समय लग सकता है। एक सवाल के जवाब में एमडी ने कहा कि स्टील उद्योग में चुनौती इसलिए है, क्योंकि अभी चाइना की स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए वह अपना इस्पात भारत समेत पूरी दुनिया में घाटे में भेज रहा है। देश की आधारभूत संरचना के लगातार विकास होने से कुल उत्पादन का 8 प्रतिशत खपत देश में हो रहा है। एमडी ने कहा कि देश में 40-50 हजार करोड़ साल स्टील में निवेश होता है, जिससे उत्पाद में वैल्यू एड होने के साथ साथ नौकरियों के भी नए अवसर बनते हैं।

केक काटते टीवी नरेंद्रन, रघुनाथ पांडेय, ऋतुराज सिन्हा, चाणक्य चौधरी व अत्रेयी सान्याल

शहर को मिलती रहेंगी सुविधाएं

एमडी ने कहा कि फिलहाल स्टील इंडस्ट्री की स्थिति ठीक नहीं है। बावजूद इसके शहरवासियों को कंपनी की ओर से जो सुविधाएं मिल रही हैं, वह मिलती रहेंगी। जरूरत होने पर जो आवश्यक होगा, कंपनी उसे भी करेगी। कंपनी अधिकारी व कर्मचारियों की सुविधा में हो रही कटौती के बारे में पूछे गए सवाल पर एमडी ने कहा कि कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी और यूनियन को स्थिति मालूम है। शहरवासी भी इस स्थिति को समझें, हम सभी की अपेक्षाओं पर खरा उतरे हैं और आगे भी खरा उतरेंगे। एक सवाल के जवाब में एमडी ने कहा कि सुरक्षा के मामले में देश दुनिया के अन्य प्लांटों की तुलना में जमशेदपुर प्लांट ठीक है, पर इसे और ठीक करने की जरूरत है। यह तभी संभव है जब सभी लोग अपनी जिम्मेदारी समझें तथा ईमानदारी से नियमों का पालन करें।

टाटा स्टील यूआईएसएल में टीवी नरेंद्रन ने काटा केक

टाटा स्टील यूआईएसएल ने बुधवार को जुस्को ग्रीन में नववर्ष समारोह मनाया गया, जिसमें टाटा स्टील के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने केक काटा। उनके साथ टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट-कॉरपोरेट सर्विसेज चाणक्य चौधरी, टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक रितुराज सिन्हा, टाटा स्टील की वीपी-एचआरएम अत्रेयी सान्याल और जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडे शामिल थे। इस दौरान ऋतुराज सिन्हा ने कर्मचारियों के योगदान के लिए आभार जताया।

जमशेदपुर प्लांट में हो रहा दुनिया का सर्वाधिक उत्पादन

एक सवाल के जवाब में एमडी ने कहा कि जमशेदपुर प्लांट 1700 एकड़ में फैला हुआ है, जहां 11 एमटी स्टील का उत्पादन हो रहा है। यह दुनियाभर में सर्वाधिक है। प्लांट की जितनी क्षमता है, उसका उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में समय के साथ प्लांट का अपग्रेडेशन हो रहा है, जिससे उत्पादन में थोड़ी बहुत बढ़ोतरी हो सकती है। अब प्लांट के एक्सपैंशन नहीं होगा। लेकिन कंपनी डाउनस्ट्रीम जैसे कंबी प्लांट, तार कंपनी, टिनप्लेट समेत अन्य प्लांटों में जरूरत के अनुसार निवेश बढ़ाएगी।

झारखंड दुनिया का एकमात्र प्रदेश, जहां सभी तरह की माइंस

एमडी ने कहा कि झारखंड दुनिया का एकमात्र प्रदेश है, जहां सभी तरह की माइंस हैं। यह स्टील के साथ-साथ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए भी अनुकूल है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर कंपनी नए प्रोजेक्ट के साथ झारखंड के विकास में और क्या कर सकती है, इस पर विचार विमर्श चल रहा है। एक सवाल के जवाब में एमडी ने कहा कि कंपनी के कलिंगानगर प्लांट में दुनिया का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस लगा है, जिसमें 4 हजार कर्मचारी 8 एमटी स्टील का उत्पादन कर रहे हैं।

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

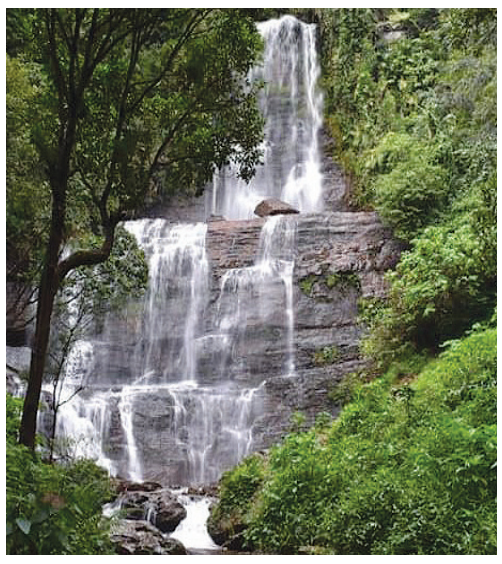

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

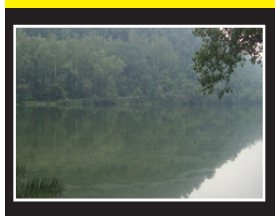

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

ललित गर्ग

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रतर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते

हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है।

संपादकीय

ट्रंप का हृदय परिवर्तन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस का प्रशासन 20 जनवरी को कार्यभार ग्रहण कर लेगा। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का यह दूसरा कार्यकाल है। इस बीच दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञ इस बात का लेखा-जोखा ले रहे हैं कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उन पर क्या असर पड़ेगा। ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान उनकी आर्थिक संरक्षणवाद, अवैध आव्रजन पर रोक तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा जिम्मेदारियां को कम करने की उनकी नीतियों का विदेशी और घरेलू मोर्चे पर व्यापक विरोध हुआ था। इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने अपनी संरक्षणवादी नीतियों को आगे बढ़ाने और आव्रजन नीतियों को सख्त करने का मुद्दा उठाया था। लेकिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए प्रमुख उद्योगपति टेस्ला के मालिक एलन मस्क और भारतीय मूल के तकनीकीविद विवेक रामास्वामी के हस्तक्षेप और विरोध के बाद एच 1 बी वीजा के प्रति ट्रंप का रुदय परिवर्तित हो गया है। उन्होंने एच 1 बी वीजा को कायम रखने की बात कह कर सबको चौंका दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा कि मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहा है। ट्रंप के इस बदले रुोख से उनके रूढ़िवादी आधार में विभाजन हो गया है और दो गुट उभर आए हैं। एक गुट एच 1 बी वीजा पर पूर्ण प्रतिबंध चाहता है तो दूसरा इसे अमेरिका की जरूरतों के लिए अनिवार्य मानता है। ऐसा समझा जा रहा है कि विशेषकर एलन मस्क के कारण ट्रंप के रुख में बदलाव आया है। यह भारत से अमेरिका गए लाखों विशेषज्ञ और पेशेवरों के लिए राहत की बात है। अमेरिकी कंपनियां प्रत्येक वर्ष करीब 65 हजार पेशेवरों की नियुक्तियां करती हैं जिनमें 70 फीसद भारतीय होते हैं। जाहिर है कि इस पर प्रतिबंध लगाने से सबसे अधिक प्रभावित भारतीय ही होते। अमेरिका के लिए एच 1 बी वीजा इसलिए जरूरी है कि वहां इतने पेशेवर, कुशल तकनीशियन, चिकित्सक नहीं हैं जिनसे अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का संचालन कर सके। हकीकत यह है कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी की दुनिया में शीर्ष पर लाने में प्रवासियों की बहुत बड़ी भूमिका है। एलन मस्क इस सच्चाई को जानते हैं। इसलिए उन्होंने एच 1 बी वीजा पर प्रतिबंध लगाने की नीति का जमकर विरोध किया। अगर इसमें कुछ कमियां हैं तो इसे सुधारा जाना चाहिए। बहरहाल, ट्रंप के रूप में आए बदलाव से भारत के पेशेवरों के साथ अमेरिकी हितों को भी लाभ होगा।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या

प्रहलाद सबनानी

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है।लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनायर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनायर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनायर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनायर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनायर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनायर की सूची में 84 नए बिलिनायर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनायर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनायर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनायर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनायर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनायर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनायर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनायर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनायर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनायर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनायर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनायर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनायर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फि लिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर

का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

क्रिकेट: सवालों के घेरे में निर्णय की तकनीक

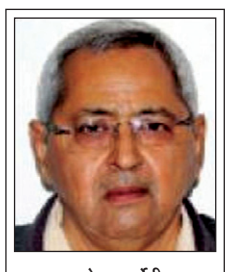

मनोज चतुर्वेदी

मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट में आखिरी दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जिस तरह से आउट दिया गया, उसने एक नई बहस छेड़.दी है कि क्या टेक्नोलॉजी के विपरीत फैसला देना उचित है। इस विवादास्पद फैसले का परिणाम पर क्या असर हुआ, यह अलग मसला है। हालांकि यशस्वी जिस समय आउट दिए गए, वह 84 रन पर खेल रहे थे और वह भारत को ड्रा की तरफ ले जाते नजर आ रहे थे। बहुत संभव है कि यह आउट नहीं दिया जाता तो मैच का परिणाम ड्रा रहता।

यशस्वी और ऋषभ पंत के खेलते समय भारत अच्छी स्थिति में नजर आने लगा था और ऑस्ट्रेलिया विकेट की जरूरत महसूस कर रहा था। इसी दौरान पैट कमिंस की लेग साइड पर ऊपर आती गेंद पर यशस्वी ने पुल करने का प्रयास किया और गेंद विकेटकीपर कैरी के ग्लब्स में चली गई। इस पर की गई अपील को अंपायर जोएल विल्सन के नकारे जाने पर पैट कमिंस ने ड़ीआरएस लिया। स्लो मोशन में थर्ड. अंपायर शरफुद्दौला को दिखा कि गेंद की ग्लब्स या बल्ले से लग कर दिशा बदली है। पर जब उन्होंने स्निको मीटर को देखा तो उसमें कोई हलचल नहीं दिखी। शरफुद्दौला ने गेंद की दिशा बदलने की वजह से आउट देने का फैसला किया जो विवादास्पद बन गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करते समय इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की। उनका कहना था कि जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं तो उसके हिसाब से ही फैसला करना चाहिए था यानी जब स्निको मीटर में कोई हलचल नहीं हुई तो यशस्वी को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था क्योंकि मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। वैसे भी नियमों के मुताबिक थर्ड. अंपायर मजबूत साक्ष्य होने पर ही मैदानी अंपायर के फैसले को बदलता है और यहां स्पष्ट साक्ष्य नहीं था। वैसे भी कई बार गेंद देर तक स्विंग करती है, जिससे कई बार उसके बल्ले से लगने का भ्रम हो जाता है और इस मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। गेंद बल्ले या ग्लब्स से लगती तो स्निकोमीटर में कोई न कोई हलचल जरूर होती। वहीं रवि शास्त्री ने तो कहा कि इस सीरीज में अंपायर ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के पर्थ टेस्ट में केएल राहुल के कैच नहीं दिए जाने के समय साफ दिख रहा था कि गेंद उनके बल्ले से लगी है, पर स्निको मीटर में हलचल नहीं दिखने की वजह से उन्हें कैच नहीं दिया गया था, इसलिए तकनीक को लेकर एकरूपता होनी चाहिए। अब सवाल है कि जब अंपायर स्निको मीटर को वरीयता दे रहे हैं तो उन्हें इस मसले पर भी यही नियम अपनाना चाहिए था। पिछले एक-दो दशक से फैसलों को त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से ही आईसीसी तनकीक के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है पर जब तकनीक का सही इस्तमोल नहीं होगा तो खिलाड़ियों का इस पर से भरोसा उठ सकता है। अंपायर्स कॉल का काफी समय से विरोध होता रहा है। इसमें किसी फैसले को लेकर अंपायर क्या सोचता है, इसका खिलाड़ियों को कई बार नुकसान और कई बार फायदा होता है। इस नियम के हिसाब से यदि अंपायर ने किसी बल्लेबाज को एलबीड़ब्लयू दे दिया है और ड़ीआरएस लेने पर गेंद विकेट से छू गई है तो वह आउट हो जाएगा। दूसरी तरफ अंपायर ने आउट नहीं दिया है तो गेंद के विकेट को छू लेने भर से वह आउट हो जाएगा। इसलिए बेहतर हो कि गेंद विकेट को छू भर ले तो आउट दिया जाए, ऐसी तकनीक विकसित करके फैसलों को त्रुटिहीन बनाया। यशस्वी तीसरे अंपायर के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए फैसला आने पर मैदान छोड़ने से पहले वह मैदानी अंपायरों से कुछ कहते सुने गए। इस पर मैदान में भारी तादाद मौजूद भारतीय समर्थक बेईमान-बेईमान के नारे बुलंद करते नजर आए। अच्छी बात है कि आज कहीं भी क्रिकेट खेली जाए भारतीय दर्शकों की मौजूदगी रहती ही है। मेलबर्न मैदान पर सर्वाधिक दर्शकों का 88 साल पुराना रिकॉर्ड.टूट गया। इस टेस्ट को देखने के लिए 376651 दर्शक पहुंचे। इससे पहले 1937 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड़ टेस्ट को 350534 दर्शकों ने देख कर रिकॉर्ड.बनाया था। इससे यह भी साबित होता है कि यदि टेस्ट मैचों में अच्छी क्रिकेट खेली जाए तो वहां भी दर्शकों को टोटा नहीं रहता। यशस्वी के

खिलाफ फैसले पर विवाद होने की वजह से तीखी प्रतिक्रियाएं जरूर आ रही हैं।

इस संबंध में पूर्व अंपायर साइमन टाफेल का कहना है कि मेरे विचार में फैसला आउट था और मेरी निगाह में तीसरे अंपायर ने फैसला सही किया। तकनीक प्रोटोकाल के साथ हम साक्ष्य भी देखते हैं। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद की बल्ले से लगकर दिशा बदली है तो उसे तकनीक के उपयोग की जरूरत नहीं है। गेंद की दिशा में मामूली बदलाव भी महत्त्वपूर्ण साक्ष्य है। स्निको मीटर का संचालन बीबीजी स्पोर्ट्स करता है। इसके ड़ायरेक्टर वॉरेन ब्रिनेन का कहना है कि स्निको मीटर में हलचल नहीं होने पर मैंने ऑड़ियो ड़ायरेक्टर से पूछा तो उसने कहा कि किसी तरह की आवाज नहीं आई। वह कहते हैं कि ऐसी स्थिति में सिर्फ हॉट स्पॉट से ही किसी फैसले पर पहुंचा जा सकता था, लेकिन आईसीसी आजकल इसका इस्तेमाल नहीं कर रही है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Jimmy focussed more on doing good than on doing well

JAMES Earl 'Jimmy' Carter, the 39th President of the United States, was arguably the country's greatest ex-President. He focussed more on doing good than on doing well. He helped build homes for those in need. He played a major role in eradicating the guinea worm disease in many countries, which as recently as the mid-1980s infected millions of people who drank parasite-contaminated water. He observed countless elections around the world to ensure that the voting and counting were free and fair.

At the same time, the praise for Carter's post-presidency is for many an indirect way of criticising his administration

Such criticism, though, badly underestimates Carter's accomplishments, especially in the realm of foreign policy.

The Panama Canal Treaties in 1977 paved the way for a peaceful transfer of control of that vital waterway from the US to Panama in 1999. Nationalist-inspired violence was averted and the canal stayed open and operated as it always had. What made it all the more impressive was that Carter pressed ahead with the transfer, brushing aside unwarranted but strong domestic criticism of what his opponents portrayed as a giveaway.

A year later, the Camp David Accords created peace between Egypt and Israel. The agreement set an important precedent, to be followed years later by Jordan and more recently by other Arab countries.JAMES Earl 'Jimmy' Carter, the 39th President of the United States, was arguably the country's greatest ex-President. He focussed more on doing good than on doing well. He helped build homes for those in need. He played a major role in eradicating the guinea worm disease in many countries, which as recently as the mid-1980s infected millions of people who drank parasite-contaminated water. He observed countless elections around the world to ensure

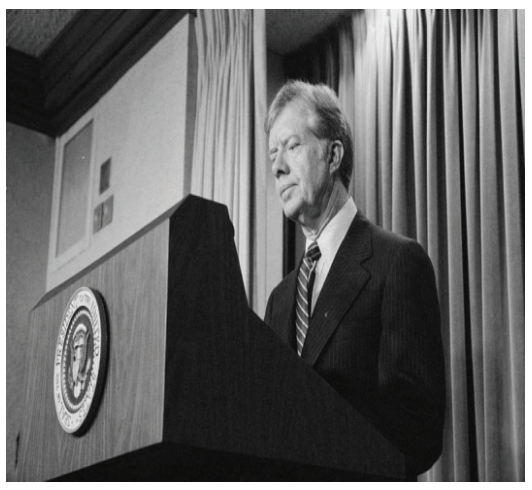

that the voting and counting were free and fair.

At the same time, the praise for Carter's post-presidency is for many an indirect way of criticising his administration.Such criticism, though, badly underestimates Carter's accomplishments, especially in the realm of foreign policy.The Panama Canal Treaties in 1977 paved the way for a peaceful transfer of control of that vital waterway from the US to Panama in 1999. Nationalist-inspired violence was averted and the canal stayed open and operated as it always had. What made it all the more impressive was that Carter pressed ahead with the transfer, brushing aside unwarranted but strong domestic criticism of what his opponents portrayed as a giveaway.A year later, the Camp David Accords created apeace between Egypt and Israel. The agreement set an important precedent, to be followed years later by Jordan and more recently by other Arab countries.

Trump's threats portend turbulence

US President-elect's stand on tariffs has caused consternation among friends and foes

THE year 2025 is going to be eventful. On January 20, Donald Trump will be sworn in as the President of the richest and militarily most powerful country in the world. In itself, it would not mean much; after all, more than a dozen men have held that office since the US achieved premier status in the wake of World War II. But Trump's policies aim to end the liberal international order that the US established, based on the solidarity of democracies, a US-led global military alliance system, concern for human rights, free trade and the setting up of the UN system.

Taken together with separate but parallel revisionist efforts by Russia and China, the world could witness a wild rollercoaster ride in the coming year. As it is, with US backing, Israel has made a huge hole in the rules-based international order by its use of massive and disproportionate military force in Gaza.

Till now, Russia and China were countries that the US defined as revisionists, wanting radical changes in the global order. These countries have seen the liberal international order with its solidarity of democratic states as a major threat and have had no hesitation in challenging its fundamental tenet — territorial sovereignty — in Ukraine, Taiwan, India and the South China Sea.Now, Trump is also keen on territorial revision and wants the Panama Canal back. He also wants to buy Greenland and pull the US out of the World Health Organisation and several other UN organisations, and blow up the global trading system and climate change agreements.

Trump's threats on tariffs have caused consternation among friends and foes. America's neighbours like Mexico and Canada are reeling from the prospect of facing 25 per cent tariffs. Others are bracing for a tariff war. Trump wants to withdraw the US from its NATO commitments if the allies do not "pay their bills", but this time he seems fine with regard to South Korea and Japan, no doubt because of Russia, North Korea and China.A world where three of its principal powers are revisionist is bound to be a turbulent one because there is nothing common in the issues on which they want a change. Russia, much reduced as a military and economic power, is really in a defensive mode. But as the case of Ukraine shows, it is willing to inflict great damage and destruction in an effort to recreate its erstwhile dominance of eastern Europe till the 1990s. The Europeans understand this and are rightly apprehensive. It was not for nothing that long-standing neutrals like Sweden and Finland hastily joined NATO in the wake of Russia's invasion of Ukraine.

As for China, after its 'Century of Humiliation', it sees itself as a global power again and wants the world to acknowledge it. So, it wants to revise the law of the sea as per its needs, demands an international system that is not based on ideology (i.e. democracy), sees economic development as more important than political freedom and wants changes in the governance structures of international bodies such as the International Monetary Fund and the World Bank.The Chinese military posture, too, is defensive in relation to the US. But in the process of countering America, China has built a formidable military machine. The recent displays of two advanced fighters and the launch of what is the world's largest and most modern amphibious assault ships are manifestations of this approach.

China may be undergoing a serious economic slowdown, but that is unlikely to affect its military buildup that involves significant investments in boosting technological self-sufficiency and advanced manufacturing. Alarmingly, the Chinese People's Liberation Army has continued with its rapid nuclear buildup. The US estimates that China now has more than 600 operational warheads and is heading for a total of 1,000 by 2030.For India, this situation offers both an opportunity and a threat. The broad contours of the Indian response to Russia and China have been visible for a while. India continues to deal with Russia and seek opportunities, whether in buying oil at a discount or promoting trade that the Russians are trying to shift in a southerly direction through economic realignment and infrastructure development.As for China, India is seeking a mini-détente based on resolving border tensions that arose in 2020 and restoring normal trade and investment links.The assumption that the Trump administration will not be a problem for India needs to be taken with a pinch of salt, especially when it comes to trade, tariffs and immigration. During Trump's first term, tough immigration policies affected Indian tech professionals adversely and India lost its GSP status. Having some of the highest tariffs in the world and a trade surplus with the US, India could be a target for US action. Differences over Iran and Russia could still cloud the India-US picture.

Even so, there can be gains from a potential easing of tensions between Russia and the US. Aggressive US policies against China could accelerate the China+1 strategy of Western companies and lead to increased FDI in India, assuming Delhi makes itself more attractive to foreign investment.

But when it comes to Trump, nothing is simple. The assumption that the US would look favourably towards India on account of China could be undermined by Trump's instinct to avoid external conflict. Further, his advisers such as Musk are keen for even ties with China because of business reasons. Don't forget that in January 2020, Trump signed a major trade deal with China. Never mind that it didn't work then, but it could be the template for a new arrangement that might undermine the rationale of the India-US connection.

Migration slowing

Scrap kilns add to the devastation

THE majestic Aravalli hills, a crucial ecological barrier against desertification, continue to bear the brunt of relentless exploitation. Even as the mountains are enduring the ravages of illegal mining, it has come to the fore that the fragile ecosystem is also under attack from scrap mafia. Illegal portable waste kilns along the Rajasthan-Haryana border burn vehicle scrap, especially rubber tyres, emitting toxic fumes. The noxious gas is not only polluting the air, water and soil but also displacing wildlife and threatening the health of local communities.

The crisis is exacerbated by a lack of accountability. Jurisdictional confusion between Haryana and Rajasthan allows the waste mafia to operate with impunity, much like their mining counterparts. Villagers' complaints about pollution and health hazards are met with bureaucratic inertia. Efforts by law enforcement authorities to tackle the illegal portable kilns are hobbled due to staff shortages and unclear boundaries. Unsurprisingly, such administrative lapses have emboldened the culprits. They brazenly evade action by crossing state borders.

This environmental catastrophe demands coordinated intervention. Haryana's Forest Minister has promised raids and penalties for both offenders and negligent officials, but piecemeal measures will not suffice. Multi-state collaboration is imperative to eliminate this toxic menace. Advanced surveillance technologies, such as geospatial mapping and drone patrols, should be deployed to monitor activities in the Aravallis.

In addition, stringent penalties and swift legal action are essential to deter culprits. Empowering local communities with resources and platforms to report violations could bolster enforcement efforts. The Aravallis are a lifeline for millions of local residents. They are crucial to regulating groundwater recharge and mitigating urban heat. Allowing their destruction for short-term gains is an environmental injustice that future generations will not forgive. Resolute action is needed to save this irreplaceable treasure.

The man who made the middle class affluent

The average income of the middle class more than tripled in the 10 years that Manmohan Singh was PM. This was the golden period for the professional & managerial class in India.

SOON after Manmohan Singh became Finance Minister, the term multinational corporation, or MNC, entered our daily lexicon. I heard it first when a distant relative left a public sector job to join an MNC for a salary of Rs 30,000 per month. This was unheard of back then in middle-class families like ours.But this was just the beginning. Soon, every young person around me was looking for a private sector job. MNCs had radically altered the white-collar job market by offering fabulous pay packages. Domestic companies had to follow suit. The middle class could now aspire to a lifestyle that it wouldn't even have dared to dream of earlier.

Manmohan Singh, along with the then Prime Minster PV Narasimha Rao, made it possible. They unleashed policies that gave rise to a new affluent middle class.First, let me explain what I mean by the term middle class. It is nowhere in the middle when it comes to India's population. In fact, it sits right at the top — between the 96th and 99th percentile in terms of income. Its 'middle-ness' comes from where it stands in the economic system — as an intermediary between owners of capital and blue-collar workers.

Before liberalisation gave the private sector control over the 'commanding heights' of the economy and set market forces to decide how resources would be allocated, it was largely controlled by the state and run by a bureaucratic-managerial-intellectual class. That was the old middle class, even smaller than it is now.The old pre-liberalisation middle class was ideologically oriented towards state intervention — what we have come to know as 'Nehruvian socialism'. This was because its job was to implement policy decisions that were taken by the government and other arms of the state. Salaries were low, but jobs were secure. The middle class in its own self-image was constructed as a group of 'nation builders'.

The Rao-Manmohan market reforms completely changed the ideological terrain. Now, the middle class became a facilitator of corporate profits. Its job was to maximise profits by increasing productivity in businesses. And, for that, it got a share of the returns to capital — much higher salaries than its previous 'babu' avatar could have got them. The post-liberalisation middle class, therefore, imbibed the values of capitalism — pro-market and consumerist.

By the time Manmohan Singh's first tryst with government ended in 1996, white-collar salaries in the private sector compared favourably with corporate jobs in the developed West, especially when purchasing power parity was taken into account. Sons and daughters of government servants began earning more in a month than their parents did in an entire year.They bought cars, microwave ovens, washing machines and spring mattresses, retiled their bathrooms and took vacations to Phuket. They bought computers, invested in the stock markets and bought health insurance plans. Their kids now enrolled in schools with better infrastructure. When they fell sick, they went to new hospitals with private rooms that could put PSU-run hotels to shame.

And, the rise of the corporate executive in the 1990s and its changed spending habits had a multiplier effect on the entire middle class. Bankers, stock brokers, tax advisers, doctors, architects, interior decorators, chefs, fashion designers, all flourished in the new economic environment.

When Manmohan Singh became Prime Minister in 2004, the average income of those in the 96th-99th percentile had risen from roughly Rs 3,500 per month in 1991 to Rs Rs 16,000 per month.Even in real, inflation-adjusted terms, it had nearly doubled in 13 years. To understand what that means, compare it to the 13 years before liberalisation, when the average real incomes of the 'middle class' had increased by just 17 per cent.

This immense rise in middle class affluence was still nothing compared to what was to come in the UPA years. The average income of those in the 96th-to-99th percentile more than tripled in the 10 years that Manmohan Singh was PM. This was the golden period forthe professional-managerial class in India and its standard of living rose manifold. Middle-class families bought premium cars and flatscreen TV sets, ate at five-star hotels, holidayed in Europe and gated themselves into the toniest parts of India's metros.

Manmohan Singh was only partly responsible for this. The first thrust of white-collar prosperity came from the credit-driven financial boom of the 2000s, which would ultimately end in the global financial crisis of 2008. Where the Manmohan-led UPA made a difference was in providing a massive fiscal stimulus to keep India out of a recession.

Much of it came in the form of the Sixth Pay Commission, which was implemented in August 2008, with retrospective effect from July 2006. Government servants got a lumpsum of arrears at one go, which they spent on buying cars, renovating their homes and sustaining the overall consumption in the economy when the corporate sector had taken a beating.But corporate profits didn't recover. The CMIE's database shows that in the last five years of the Manmohan kaal, corporate earnings grew just six per cent annually, while inflation was 10 per cent. On the other hand, the corporate wage bill rose at 19 per cent per year.

RBI To Sell Rs 4.73 Lakh Crore Government Bonds In March Quarter For States And UTs

A government bond or Government Security (G-Sec) is a tradeable instrument issued by the Central Government or the State Governments.It acknowledges the Government's debt obligation.

Mumbai. The Reserve Bank of India will sell government bonds worth Rs 4.73 lakh crore in the January-March quarter of 2025 to State Governments and Union territories. The weekly schedule of auctions to be held during the quarter along with the names of States/UTs who have confirmed participation, the RBI added in its notification.

The central bank informed that the actual amount of borrowings and the details of the States/UTs participating would be intimated by way of press releases two/ three days prior to the actual auction day and would depend on the requirement of the State Governments/UTs, approval from the Government of India under Article 293(3) of the Constitution of India and the market conditions."RBI would endeavour to conduct the auctions in a non-disruptive manner, taking into account the market conditions and other relevant factors and distribute the borrowings evenly throughout the quarter," the RBI added.The central bank stated that the RBI reserves the right to modify the dates and the amount of the auction in consultation with State Governments/UTs. A government bond or Government Security (G-Sec) is a tradeable instrument issued by the Central Government or the State Governments.It acknowledges the Government's debt obligation.

Such securities are short term (usually called treasury bills, with original maturities of less than one year) or long term (usually called Government bonds or dated securities with original maturity of one year or more).In India, the Central Government issues both, treasury bills and bonds or dated securities while the State Governments issue only bonds or dated securities, which are called the State Development Loans (SDLs).The central bank stated that the RBI reserves the right to modify the dates and the amount of the auction in consultation with State Governments/UTs. A government bond or Government Security (G-Sec) is a tradeable instrument issued by the Central Government or the State Governments.It acknowledges the Government's debt obligation.

Such securities are short term (usually called treasury bills, with original maturities of less than one year) or long term (usually called Government bonds or dated securities with original maturity of one year or more).In India, the Central Government issues both, treasury bills and bonds or dated securities while the State Governments issue only bonds or dated securities, which are called the State Development Loans (SDLs).

Nishant Pitti resigns as Easy Trip Planners CEO after divesting stake

NEW DELHI. TNishant Pitti, the co-founder and CEO of Easy Trip Planners, has resigned from his position, effective January 1, 2025.The announcement follows his recent decision to divest a 1.4% stake in the company, which operates the online travel platform EaseMyTrip. In a stock exchange filing, Pitti cited personal reasons for stepping down.

"I, Nishant Pitti, Chairman and CEO of Easy Trip Planners Limited, hereby tender my resignation from the position of CEO due to personal reasons with effect from January 1, 2025. Kindly accept this resignation and relieve me from being the CEO of the company and acknowledge the receipt of this resignation," Pitti said in his resignation letter.Following Pitti's resignation, Rikant Pittie has been appointed to lead the company as CEO, starting from the same date.On December 31, Nishant Pitti sold 4.99 crore shares, representing a 1.41% stake in Easy Trip Planners, for Rs 78 crore in an open market transaction. The shares were sold at an average price of Rs 15.68 apiece.This transaction has reduced Pitti's personal stake in the company from 14.21% to 12.8%. The combined stake of the promoters has also declined from 50.38% to 48.97%.

Meanwhile, Arunaben Sanjaykumar Bhatiya acquired 2.40 crore shares of the company at an average price of Rs 15.86 per share, amounting to Rs 38.06 crore. The identities of other buyers involved in the transaction were not disclosed in the available bulk deal data.This is not the first time Nishant Pitti has sold a portion of his stake in Easy Trip Planners. In September 2023, he had offloaded a 14% stake for Rs 920 crore through open market transactions.Shares of Easy Trip Planners reacted negatively to the news of Pitti's stake sale and resignation. The stock declined by 6.98% on Tuesday, closing at Rs 15.85 per share on the National Stock Exchange (NSE).

LPG Prices Cut On 19-Kg Cylinder, Check Latest Rates In Your City; Jet Fuel Too Gets Cheaper

NEW DELHI. In a relief to people on the New Year, oil marketing companies on January 1, 2025, reduced the price of commercial LPG cylinders. The price of a 19-kg commercial cylinder in Delhi has now fallen to Rs 1,804 from Rs 1,818.5 earlier, which is a cut of Rs 14.5 per cylinder. Apart from this, jet fuel or ATF prices were also cut by 1.54 per cent on Wednesday.However, the price of 14.2-kg domestic LPG cylinders remains unchanged.The latest cut comes after five straight monthly hikes in commercial LPG prices. In the last revision on December 1, rates were hiked by Rs 16.5 per 19-kg cylinder. In five price increases, commercial LPG rates were hiked by Rs 172.5 per 19-kg cylinder.

LPG Price Variations Across Cities

After the latest cut on January 1, 2025, commercial LPG now costs Rs 1,756 per 19-kg cylinder in Mumbai, Rs 1,911 in Kolkata and Rs 1,966 in Chennai.

Prices of ATF and LPG differ from state to state depending on the incidence of local taxes including VAT.

No Change in Domestic LPG Prices

The rate of cooking gas used in domestic households, however, remained unchanged at Rs 803 per 14.2-kg cylinder.ATF Prices Cut in JanuaryThe aviation turbine fuel (ATF) price was reduced by Rs 1,401.37 per kilolitre, or 1.54 per cent, to Rs 90,455.47 per kl in the national capital – home to one of the busiest airports in the country, according to state-owned fuel retailers.

WhatsApp UPI: NPCI Allows Messaging App To Extend Payment Services To All Users, Lifts Onboarding Limit

NEW DELHI. The National Payments Corporation of India (NPCI) has lifted the limit from onboarding UPI users for the third-party app provider WhatsApp Pay with immediate effect, thus allowing the messaging app to provide payment services to all its users. Till now, there was a cap of 100 million users.

With the latest NPCI move, WhatsApp Pay can now extend UPI services to its entire user base in India, NPCI said in a statement on Tuesday.NPCI governs the Unified Payments Interface (UPI) framework in India.

WhatsApp Pay: How Will It Work?

1. WhatsApp Pay will require the latest version of WhatsApp on your Android or iOS smartphone.
2. To connect your bank account with WhatsApp Pay, you need to have an active bank account and a debit card in India.3. The phone number should be active while activating the WhatApp Pay as it requires the phone number to identify user's bank account linked to it.
4. Like other UPI apps, when you use WhatsApp Pay, other UPI users will be able to see their name on the bank account. This requirement is set by NPCI and designed to mitigate fraud across the UPI payments system.
5. While users' personal messages on WhatsApp are always end-to-end encrypted, the payment descriptions one adds to the transactions are not.6. However, when you make a payment in a chat, any payment messages you add are end-to-end encrypted. These text messages will not show up on your bank statement.7. According to reports, WhatsApp does not store your UPI PIN or full bank account number in order to protect your security.

Indo Farm Equipment IPO Day 2: Check latest subscription, GMP

NEW DELHI. The second day of bidding for Indo Farm Equipment Limited's initial public offering (IPO) resumed on Wednesday, the first day of 2025.

Indo Farm Equipment's IPO is expected to draw attention from investors, given the company's position in the agriculture and construction equipment sectors.

The IPO is a book-built issue valued at Rs 260.15 crore. It includes a fresh issue of 86 lakh shares, amounting to Rs 184.90 crore, and an offer for sale (OFS) of 35 lakh shares, valued at Rs 75.25 crore. The price band has been set between Rs 204 and Rs 215 per share.The second day of bidding for Indo Farm Equipment Limited's initial public offering (IPO) resumed on Wednesday, the first day of 2025.

Indo Farm Equipment's IPO is expected to draw attention from investors, given the company's position in the agriculture and construction equipment sectors.The IPO is a book-built issue valued at Rs 260.15 crore. It includes a fresh issue of 86 lakh shares, amounting to Rs 184.90 crore, and an offer for sale (OFS) of 35 lakh

shares, valued at Rs 75.25 crore. The price band has been set between Rs 204 and Rs 215 per share.The grey market premium (GMP) for the Indo Farm Equipment IPO has been steadily increasing. As of January 1, 2025, at 8:23 AM, the GMP was recorded at Rs 95. Given the IPO's price band of Rs 215, the estimated listing price is Rs 310, calculated by adding the GMP to the upper price band. This suggests a potential gain of approximately 44.19% per share upon listing, reflecting strong investor interest in the offering.

Aryaman Financial Services Limited is the book-running lead manager for the IPO, while Mas Services Limited is acting as the registrar.Founded in 1994, Indo Farm Equipment Limited manufactures tractors, pick-and-carry cranes, and other harvesting equipment. The company operates under two brands, Indo Farm and Indo Power, and exports its products to countries like Nepal, Syria, Sudan, Bangladesh, and Myanmar.

The share allotment for the IPO is likely to be finalised on January 3, 2025. The company is expected to list its shares on the BSE and NSE on January 7, 2025.

Adani Wilmar stocks recover as share price rises 5% in ealry trade

NEW DELHI. Shares of Adani Wilmar rebounded in early trading on Wednesday, climbing nearly 5% to reach a high of Rs 323.50 after having closed at Rs 308.25 in the previous session.

This recovery follows a sharp decline of 7% on Tuesday after Adani Enterprises Ltd (AEL) announced its decision to sell its entire 44% stake in Adani Wilmar Ltd (AWL).

Adani Enterprises, the flagship company of the Adani Group, revealed on Monday that it would completely exit its joint venture with Singapore's Wilmar International. The divestment will occur in two phases. In the first phase, up to 31.06% of AWL's paid-up equity shares will be sold to Lence Pte Ltd, a wholly-owned subsidiary of Wilmar International, using a call or put option mechanism. The remaining stake will be sold later to meet public shareholding requirements.Shares of Adani Wilmar rebounded in early trading on

Wednesday, climbing nearly 5% to reach a high of Rs 323.50 after having closed at Rs 308.25 in the previous session.This recovery follows a sharp decline of 7% on Tuesday after Adani Enterprises Ltd (AEL) announced its decision to sell its entire 44% stake in Adani Wilmar Ltd (AWL).Adani Enterprises, the flagship company of the Adani Group, revealed on Monday that it would completely exit its joint venture with Singapore's Wilmar International. The divestment will occur in two phases. In the first phase, up to 31.06% of AWL's paid-up equity shares will be sold to Lence Pte Ltd, a wholly-owned subsidiary of Wilmar International, using a call or put option mechanism. The remaining stake will be sold later to meet public shareholding requirements.Earlier in October, Adani Enterprises secured $500 million in funding. Other group companies, including Adani Energy Solutions, Adani Green Energy, and Ambuja Cement, have collectively raised $4.5 billion in recent months, strengthening the group's financial standing and investment capabilities.

Are BSE, NSE closed on January 1 for New year 2025

NEW DELHI. While most of the world welcomes the New Year with a laid-back holiday mood, sipping coffee and lounging in pyjamas, the Indian stock markets seem to march to a different beat.

The Bombay Stock Exchange (BSE) and National Stock Exchange (NSE) are operating as usual on January 1, 2025, despite it being New Year's Day. Unlike many international stock markets that observe January 1 as a holiday, Indian stock exchanges are open for trading today.The official holiday calendar issued by NSE India does not include New Year's Day as a non-trading day. Consequently, trading activities began at their regular times, with the pre-open session starting at 9:00 am and the full-day trading session running from 9:15 am to 3:30 pm. Investors can carry out their transactions just like on any other regular trading day.In India, the stock markets operate from Monday to Friday and remain closed on weekends, i.e., Saturdays and Sundays. The pre-open session, which allows for price discovery and order matching, begins at 9:00 am and lasts until 9:15 am. The main trading session runs from 9:15 am

to 3:30 pm.re US stock markets closed today?

Yes, US stock markets are closed today, January 1, 2025, in observance of New Year's Day. According to the Securities Industry and Financial Markets Association, trading will resume on January 2.On December 31, US markets closed early to allow traders to welcome the New Year. Additionally, the US stock markets will remain closed on January 9, 2025, for a national day of mourning to honour former President and Nobel Laureate Jimmy Carter.

The London Stock Exchange (LSE) is also closed today for New Year's Day. Trading will resume on January 2, 2025. The LSE's next scheduled closure will occur on April 18, 2025, for Good Friday.Several key international indices, including the Stock Exchange of Hong Kong, Euronext Paris, Tokyo Stock Exchange, and Shanghai Stock Exchange, are observing a holiday today. These markets will resume operations on January 2, 2025.

Centre to address high mining taxes in upcoming consultations with states

The SC last year permitted states to impose additional taxes on mining activities, indicating that royalty collected by states under Sec 9 of the Mines and Minerals (Dev & Reg) Act, 1957 is not a tax

NEW DELHI. The central government plans to hold consultations with state governments to address concerns about excessive taxation on mining operations, according to a report by The Economic Times. This comes in response to a recent Supreme Court ruling that permits states to impose additional taxes on mining activities, a move that has raised apprehensions within the sector. Impact of Supreme Court verdict The report follows the Supreme Court judgement that states have the power to levy tax on mines and minerals. The nine-judge Constitution Bench held that the 'royalty' collected by state governments under Section 9 of the Mines and Minerals (Development & Regulation) Act, 1957 (MMDRA) is not a tax.

The decision paved the way for states to impose additional taxes on mining operations within their territories. Karnataka has already taken steps in this direction by approving the Karnataka Minor Minerals Rules (2024) on December 6, projecting additional revenue of over Rs 4,700 crore from the sector. Under the revised rules, the royalty on mining stone and minor minerals has been raised to Rs 80 from Rs 70 per tonne. The rules, which are reviewed every three years, also allow for differential tax rates based on the category of mines while maintaining uniform rates for leases within the same category.

Concerns of the mining industry

The industry fears that more states may follow Karnataka's lead, significantly raising input costs for mining operations. Delays in operationalising mining leases and high taxation levels are already key challenges for the sector. A senior government official told The Economic Times, "Our deliberations with states will address the basic issues of high taxation affecting domestic mining. Delayed operationalising of mining leases will also be on the agenda." Key focus areas of the consultations The upcoming meeting, expected in the second half of January 2025, will explore: Measures to reduce turnaround times for auctioned mines. Boosting exploration of critical minerals. Incorporating artificial intelligence to improve mining efficiency. Additionally, strategies to streamline mining lease approvals and alleviate the financial burden on operators will be prioritised. Mining operations under the auction regime Since the introduction of the auction-based mining regime in 2015, 435 mineral blocks have been auctioned across the country. However, only 50 of these have been operationalised as of November 2024. Despite these delays, Union Mines Minister G Kishan Reddy highlighted that post-auction revenues for states have seen significant growth. The Centre's consultations aim to balance state revenue needs with the operational viability of the mining sector, ensuring sustainable development and efficient resource utilisation.

Biren Singh's 'past sins' barb after Congress asks 'why PM can't visit Manipur'

NEW DELHI. A war of words erupted between the Congress and Manipur Chief Minister N Biren Singh over his apology to the people of the northeastern state for the ongoing ethnic violence that has killed more than 200 people and left thousands homeless since it erupted in May 2023.

In response to Congress leader Jairam Ramesh questioning Prime Minister Narendra Modi's "refusal" to visit Manipur and reach out to the affected communities, Biren Singh said his state is in "turmoil today because of the past sins committed by the Congress".

Shortly after the Chief Minister appealed to the people of Manipur to "forgive and forget" the past and emphasised that peace was being restored in the state, Jairam Ramesh tweeted on Tuesday evening, "Why can't the Prime Minister go to Manipur and say the same thing there? He has deliberately avoided visiting the state since May 4th, 2023, even as he jets around the country and the world."A war of words erupted between the Congress and Manipur

Chief Minister N Biren Singh over his apology to the people of the northeastern state for the ongoing ethnic violence that has killed more than 200 people and left thousands homeless since it erupted in May 2023.

In response to Congress leader Jairam Ramesh questioning Prime Minister Narendra Modi's "refusal" to visit Manipur and reach out to the affected communities, Biren Singh said his state is in "turmoil today because of the past sins committed by the Congress".Shortly after the Chief Minister appealed to the people of Manipur to "forgive and forget" the past and emphasised that peace was being restored in the state, Jairam Ramesh tweeted on Tuesday evening, "Why can't the Prime Minister go to Manipur and say the same thing there? He has deliberately avoided visiting the state since May 4th, 2023, even as he jets around the country and the world."To this, Biren Singh hit out with a fiery comeback, saying that the present turmoil in Manipur was due to the "past sins" of the Congress, including the "repeated settlement of Burmese refugees in Manipur and the signing of the SoO Agreement with Myanmar-based militants in the state, spearheaded by P Chidambaram during his tenure as the Home Minister"."The apology I extended today was a sincere act of expressing my grief for the people who have been left displaced and become homeless. As a Chief Minister, it was an appeal to forgive and forget what had happened. However, you brought politics into it," he added.

The Chief Minister also recalled the Naga-Kuki clashes in Manipur that occurred between 1992 and 1997, saying the "period was one of the bloodiest ethnic conflicts in Northeast India"."The Naga-Kuki clashes in Manipur resulted in the deaths of approximately 1,300 people and the displacement of thousands more. The violence persisted for several years, with periodic escalations occurring between 1992 and 1997, though the most intense period of conflict was in 1992–1993," Biren Singh tweeted."Did PV Narasimha Rao, who served as the Prime Minister of India from 1991 to 1996 and was the President of the Indian National Congress during that time, come to Manipur to extend an apology? The Kuki-Paite clashes claimed 350 lives in the state. During most of the Kuki-Paite clashes (1997–1998), IK Gujral was the Prime Minister of India. Did he visit Manipur and say sorry to the people?" he added.

Minister's car hits man in Maharashtra district, mob sets vehicles, shops ablaze

A clash in Maharashtra's Jalgaon escalated into arson after a car accident involving Minister Gulabrao Patil's wife. Over a dozen shops and six vehicles were set on fire, leading to a curfew and police action.

A clash between two communities has once again been reported in Maharashtra's Jalgaon. The incident occurred in Paladhi village, the hometown of Mahayuti government minister and Shiv Sena leader Gulabrao Patil. The dispute between two groups escalated into arson, forcing the deployment of heavy police force.

However, the situation is now under control. As a precautionary measure, a curfew has been imposed in the area until 6 am tomorrow.The incident unfolded when Minister Gulabrao Patil's wife was travelling in her car through Paladhi village.

A man from the village was allegedly hit by the car, and a crowd quickly gathered at the scene.The mob assaulted the driver of the car carrying Gulabrao Patil's wife and vandalised the vehicle. This incident took place around 11 pm on Tuesday (December 31). The situation further deteriorated as the crowd began pelting stones and setting fires. More than a dozen shops were set ablaze, and six vehicles were torched.

According to Additional Superintendent of Police Kavita Nerkar, "The situation is now under control, but curfew has been imposed in Jalgaon's Paladhi until 6 am tomorrow as a precautionary measure.

Police have detained several suspects overnight and registered a case against 20-25 unidentified individuals at the Paladhi police station."The police have appealed to the public to maintain peace in the village and avoid believing or spreading rumours.

3 dead, 20 injured after head-on collision between bus, tanker in Gujarat

NEW DELHI. Three people died, and 20 others were injured in a head-on collision between a luxury bus and a tanker late on Tuesday (December 31) in Gujarat's Banaskantha district. The incident happened on the Bharat Mala Highway when a tanker, driving on the wrong side, collided head-on with a luxury bus travelling from Jamnagar to Rajasthan.

The impact was so severe that the luxury bus overturned.

Emergency services, including the 108 ambulance service, rushed the injured to government and private hospitals in Bhachhar, Tharad, and nearby areas for treatment.Police teams from Suigam, Bhachhar, and Vav Tharad reached the scene promptly to assist in rescuing the injured passengers. The bodies were sent to the Suigam Government Public Health Center for post-mortem.

AIIMS creates unified referral system for efficient care

NEW DELHI. The AIIMS has created a digital platform for unified referral and teleconsultation connecting all AIIMS facilities across the country and other national institutes including JIPMER, Pondicherry, and PGI, Chandigarh. This digital solution, developed in New Delhi, facilitates efficient patient transfers across healthcare institutions, an official said.

Discussing the 'one-AIIMS' referral policy, the institute's Director Dr M Srinivas explained that patients can access their nearest AIIMS facility first.

"For example, when AIIMS Patna identifies resource limitations, they can arrange for teleconsultations or expedited referrals.

The bi-directional referral system allows patients to receive follow-up care at their local AIIMS center," he said.Interacting with the media, Srinivas announced the development alongside the implementation of a patient grievance management portal designed for swift complaint resolution. The system, currently being tested in the mother and child block, will be implemented across the hospital.

The complaint system enables users to register concerns via QR codes or website access. It features automatic escalation of unresolved issues through the management hierarchy within set periods.Additionally, it includes a comprehensive discharge feedback system for patients to assess medical care, nursing, dietary services and sanitation.

Bangladeshi mother-son duo squatting in capital deported

On interrogation, Naim revealed financial hardships forced his mother to migrate to India two decades ago.

NEW DELHI. Delhi Police have detained and deported two Bangladesh nationals, a mother and son, residing illegally in southwest Delhi since 2005, an officer said on Tuesday. The duo, identified as Nazma Khan a.k.a Kajol, and her son Naim Khan (22). entered India illegally via West Bengal, police said.

"Nazma entered around 20 years ago and Naim in 2020 and they had been residing in Katwaria Sarai, with Nazma working as a domestic help," DCP (southwest) Surendra Choudhary said.

The officer said during a routine patrol on December 29, police intercepted Naim near Shastri Market following a tip-off. Subsequent interrogation led to Nazma's detention on December 30. "The two were handed over to the Foreigners Regional Registration Office and deported to Bangladesh," the senior officer said.

On interrogation, Naim revealed financial hardships forced his mother to migrate to India two decades ago.

In a related case, another Bangladesh national identified as Mohammad Akhtar Sheikh was arrested from Sarojini Nagar. "He was initially apprehended in a drug-related case on November 28 and later Akhtar was released on bail. However, subsequent address verification revealed his status as an illegal immigrant. Akhtar, originally from Madarganj, Kochaghata, Bangladesh, entered India through the West Bengal border in 2004," the DCP said.

He said Akhtar married an Indian national in 2012 and worked at a construction site in Delhi. On December 30, he was found near Sarojini Nagar Railway Station without valid documents. A fresh case under the Foreigners Act has been registered against him.

Buy Maha Kumbh tickets through scanner jacket of Prayagraj railway staff

India has plans to buy around 200 LCA Mark 1A fighter jets along with the same number of LCA Mark 2 and Advanced Medium Combat Aircraft each in the next 15 years.

NEW DELHI. In a first, people attending Maha Kumbh can book train tickets through scanners fitted on the jackets of railway workers on duty at Prayagraj station, officials said.

"This is a unique arrangement made by the North Central Railway for the convenience of devotees in booking train tickets. This innovative initiative will simplify and facilitate the ticketing process through the use of digital technology," said Dileep Kumar, executive director (information & publicity), Railway Board.

"During the Maha Kumbh 2025, employees of the commercial department of the Railways will be deployed on special duty at Prayagraj Junction and they will wear green jackets. There will be a QR code printed on the back

of the jackets, which devotees can scan from their mobile phones and download the UTS (unreserved ticketing system) mobile app," Kumar said.

He said the app will provide the facility to passengers to book unreserved tickets without standing in the queue. "With this initiative, devotees will be able to easily get tickets, avoiding crowds and long lines at the railway station. This process of ticket booking through digital payment will not only save time but also provide a hassle-free experience to lakhs of devotees visiting Sangam during the Maha Kumbh," Kumar said.

Expected to host over 40 crore devotees from across the globe, the 45-day mega religious festival from January 13 to February 26 will showcase India's rich cultural heritage and spiritual traditions.The Railways plans to operate 3,124 special mela trains along with 10,100 regular trains between January 10 and February 28. To manage the anticipated crowd, 278 ticket counters will be set up under the NCR, with Prayagraj railway station's ticketing capacity expanded to accommodate 10,15,200 passengers per day across all modes.

Railways Saw Progress On Several Projects In 2024 But Faced Challenges

➤**Indian Railways achieved 6,450 km of complete track renewal, 8,550 turnout renewals, and raised speeds to 130 kmph over 2,000 km in 2024," the ministry said in its 'Year End Review 2024'.**

New Delhi. The year 2024 was a mixed bag for Indian Railways as it saw progress on several projects but faced persistent challenges.While on the one hand the Railway Ministry claimed to have crossed several milestones paving the way for a new era of modernization and progress, on the other, frequent accidents, inadequate manpower and frontline workers' issues among others remained major causes of concern.mong achievements were the introduction of 62 new Vande Bharat train services in different parts of the country, four Amrit Bharat Express services between Darbhanga-"Anand Vihar and Malda Town-SMVT Bengaluru and the first Namo Bharat Rapid Rail between Ahmedabad and Bhuj.Besides commissioning of 3433 km of rail line across the rail network, inaugurating train operations between the Banihal-Khari-Sumber-Sangaldan section of Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link (USBRL), operationalisation of Kolkata Metro's Esplanade-Howrah Maidan section which passes below the Hooghly river through the country's first underwater transportation tunnel, earned accolades."Indian Railways achieved 6,450 km of complete track renewal, 8,550 turnout renewals, and raised speeds to 130 kmph over 2,000 km in 2024," the ministry said in its 'Year End Review 2024'.Other highlights included initiating redevelopment work on 1198 railway stations out of 1337 selected ones, introducing the upgraded version of the automatic train protection system Kavach 4.0, recruiting five lakh employees in the last decade -" a number slightly higher than the previous decade - and dedicating to the nation the Marathwada Rail Coach Factory in Latur to supply Vande Bharat train sets."A project for equipping 10,000 locomotives has been finalised and 69 numbers of loco sheds have been prepared

for equipping with Kavach," the ministry said.Some projects which made progress in the year 2024 were the Vande Bharat sleeper trainset's first prototype which is all set to undergo field trials soon; the Rishikesh-Karnaprayag railway line which is proposed to be completed by December 2026; and the beginning of design and manufacturing of high-speed train sets that will have a design speed of 280 kmph.Catering to the need of general passengers, the railway ministry declared its focus on increasing general compartment coaches in its fleet."The Ministry of Railways has introduced a system of publishing an annual calendar from 2024 for recruitment to various categories of Group 'C' posts. Benefits for the aspirants are more opportunities to those becoming eligible every year, certainty of exams; faster Recruitment process, Training and Appointments," the Ministry said.However, despite significant progress in various areas, over 70 reported cases of train derailments including couple of major ones such as - collision between a goods train with Agartala-Sealdah Kanchanjunga Express, Derailment of passenger train between Motiganj and Jhilahi stations in Uttar Pradesh, collision of passenger train with derailed Goods train at Barabamboo station in Jharkhand - involving death of several passengers, remained a bigger challenge to safe train running.Inadequate manpower topped among concerning issues and the problem was so acute that Railway Board Chairman Satish Kumar wrote to the finance ministry and said that there is an urgent requirement for additional manpower to maintain the railways' ever-increasing assets and safe train operations.

NEWS BOX

Russia Hikes Tourist Tax, Lifts Export Duties On Coal

Moscow.A new tourist tax has come into effect across Russia on Wednesday, replacing the previous resort fee, local media on Wednesday. From January 1, 2025, travellers staying in hotels and other accommodations will contribute an additional 1 per cent of their lodging costs, marking the start of a phased plan to bolster regional tourism infrastructure, reports Xinhua, quoting RIA Novosti news agency.

The tax was introduced as part of amendments to the Russian Tax Code in July 2024, which added a new chapter titled "Tourist Tax," granting regional authorities discretion to implement the tax as a local levy. Many regions, particularly those with established or emerging tourism industries, have already embraced the initiative.

Under the current framework, the tourist tax will begin at a rate of 1 per cent in 2025 and gradually rise to 3 per cent by 2027. To ensure a baseline contribution, a minimum daily charge of 100 rubles (0.9 US dollars) has been established.While hotels and other lodging providers are technically taxpayers, the cost will be incorporated into the price of accommodations, thus being passed on to tourists. Additionally, Russia has also officially dropped export duties on anthracite, coking coal, and thermal coal starting January 1, 2025, local media reported on Wednesday.

Introduced on October 1, 2023, flexible export duties were in place until the end of 2024. However, duties on anthracite and thermal coal were temporarily suspended between May 1 and November 30, 2024.

In November 2024, the Russian government decided to lift the export duty on coking coal ahead of schedule and extended the suspension of duties on anthracite and thermal coal to support the coal industry.

UK Man Falls 600-Ft To His Death From Helvellyn Mountain

World. A dog walker in the UK tragically fell 600 feet to his death from the peak of Helvellyn, one of the Lake District's tallest mountains, according to a report in The Telegraph. The unnamed man was reported missing by his wife after he went on a walk with his black labrador. As per the police, the wife had been tracking her husband's progress on the phone but noticed he had not moved for a few hours, which prompted her to inform the authorities.

The search operation involved seven mountain teams, two coastguard and rescue helicopters probing the numerous routes leading to Helvellyn's summit, where his phone last signalled. However, the atrocious weather conditions meant that a total of 68 rescue personnel from various teams including Patterdale, Keswick, Langdale Ambleside, Cockermouth, Penrith, and Kirkby Stephen had to spend two days to complete the operation.

As per Cumbria Police, the man had left a holiday home in Grasmere and gone out on his bicycle with his dog. On the first day, the search had to be called off around 1:30 am as the safety of the team members could have been compromised.n the second day, the team, using a rope system, descended a headwall down towards Red Tarn where the dog was found "safe and well" on a ledge. After the team members were lowered, the man's body was found near the lake on the eastern side of the mountain"The man's body was lowered by stretcher to the back of Red Tarn, then carried down to Greenside and transported back to Patterdale Base where it was handed over to Cumbria Police. The whole incident took 20 hours to complete over two days," a mountain rescue spokesman told the publication."We would like to send our condolences to the man's family and friends and our thanks to the various teams and search and rescue helicopter crews who assisted with the search and subsequent recovery."

China's 5G Military Leap: Could This Change Warfare Forever

World. China has introduced the world's first mobile 5G base station that is ready for deployment in battlefield conditions. The advanced system offers high-speed, ultra-secure and low-data transmissions for up to 10,000 users within a three-kilometre radius, according to a report in South China Morning Post (SCMP). Jointly developed by China Mobile Communications Group and the People's Liberation Army (PLA), the technology has the capability of changing the warfare landscape according to the details published in the Chinese journal, Telecommunications Science.

Led by senior engineer Hou Jie with the 31567 Unit of the PLA, the base station's deployment is a significant step in China's pursuit of building the largest unmanned army on Earth, involving the use of intelligent war machines such as drones, robot dogs and other forms of unmanned hardware.

Notably, the military-grade 5G communication system differs substantially from the civilian versions. The system must ensure connectivity where ground and base stations are absent or satellite signals are absent/disrupted. Additionally, the antenna height should not be more than 3 metres in order to avoid obstacles viz., trees and buildings.Keeping all these conditions in mind, the scientists devised a novel solution: a platform mounted atop a military vehicle that houses three to four drones. These unmanned aerial vehicles take off alternatively and serve as an aerial base station. Once the battery of a drone is discharged, the other takes its place, ensuring no communication blackout.PLA claims to have conducted several tests on the system, which ensures seamless performance even when the military units are moving at speeds of 80km/h through urban or mountainous terrains and under electromagnetic interference. It achieves a total data throughput of 10 gigabits per second.

China's declining productivity: Factors behind economic slowdown

BEIJING. China's economy is facing a slowdown, with growth dropping from 6.5 per cent before the pandemic to just 4.6 per cent now, and there are concerns that even that number is seriously overstated. As the economy continues to stagnate, living standards remain far below those of developed nations, further highlighting the nation's economic struggles, Asia Times reported.One key issue contributing to this downturn is the country's declining total factor productivity (TFP), a measure of how efficiently inputs like labour and capital are used to generate output. While the official data points to a fall in TFP over the past decade and a half, this claim remains debated. Regardless, there's widespread agreement that productivity growth has slowed significantly compared to earlier years.Economist Paul Krugman has pointed to a shift toward real estate as a key factor for the slowdown. After the 2008 global financial crisis, China began pouring resources into the real estate sector, a low-productivity industry, which slowed overall productivity. Moreover, a 2022 analysis highlighted broader structural issues in China's economy, including inefficiencies in capital allocation and an overreliance on a growth model driven by resource extraction. These systemic challenges, already present before the pandemic, have been worsened by the fallout from trade tensions, COVID-19 disruptions, and aggressive industrial policies implemented by the Chinese government.In hindsight, earlier assessments of China's economic prospects appear overly optimistic. Arthur Kroeber's 2016 book China's Economy: What Everyone Needs to Know® envisioned China successfully transitioning from a resource-driven model to one powered by productivity and technological innovation. However, in the years since, this optimism has waned as the country has struggled to maintain the productivity growth needed for sustained prosperity. Kroeber acknowledged that China faced economic challenges, but his hopes for a shift to efficiency-driven growth seem less achievable today. Despite the value of Kroeber's insights into fiscal federalism, urbanisation, and real estate, his optimism about China's future no longer aligns with the reality of the country's economic trajectory.One key reason for the slowdown is that China is reaching the limits of its growth potential. While countries like Japan, South Korea, and Taiwan successfully transitioned to high-income economies by focusing on technological advancements and productivity, China's growth has slowed in a similar manner to other middle-income countries like Thailand. Since 2011, TFP in China has been in decline, with some reports even showing negative growth. As China approaches the technological frontier, acquiring advanced technologies has become more challenging, as companies around the world guard their innovations more tightly.China's demographics are another factor contributing to the productivity slowdown. For years, China benefited from a "demographic dividend," a large, young workforce with relatively few dependents. However, that advantage has started to diminish as the country's working-age population began to decline around 2010. Studies have shown that aging populations tend to correlate with lower productivity growth, and China is no exception. With fewer workers entering the labour force and an aging population, the economy faces a significant challenge in maintaining productivity levels.Urbanisation, which has historically boosted China's productivity by moving workers from low-productivity agricultural jobs to higher-productivity urban manufacturing roles, is also losing steam. While urbanisation helped China achieve rapid economic growth for decades, experts point to 2010 as the "Lewis turning point," when the surplus labour in agriculture began to dwindle. Additionally, China's hukou system, which restricts internal migration, has further limited.

Israel Confirms Killing Of Hamas Commander Behind October 7 Attack In IDF Drone Strike

The Nukhba Platoon commander in Hamas' Western Khan Yunis Battalion was eliminated in the Khan Younis area of southern Gaza, the IDF added in its statement.

World. The Israel Defense Forces (IDF) on Tuesday confirmed the killing of Hamas' Nukhba Platoon commander, Abd al-Hadi Sabah, in a recent drone strike. As per the IDF, Sabah had led the attack on Kibbutz Nir Oz during the October 7, 2023, massacre. The Nukhba Platoon commander in Hamas' Western Khan Yunis Battalion was eliminated in the Khan Younis area of southern Gaza, the IDF added in its statement. "Abd al-Hadi Sabah, a Nukhba Platoon Commander in the Western Khan Yunis Battalion was eliminated in an intelligence-based IDF and ISA strike," the IDF wrote on X.They also added," Abd al-Hadi Sabah--who operated from a shelter in the Humanitarian Area in Khan Younis--was one of the leaders of the infiltration into Kibbutz Nir Oz during the murderous October 7 massacre. Sabah also led and advanced numerous terrorist attacks against IDF troops throughout the current war. The IDF and ISA will continue to operate against all of the terrorists who took part in the murderous October 7 Massacre."Earlier on Tuesday, the IDF and Shin Bet killed Anas Muhammad Saadi Masri, the commander of the northern sector of the rocket unit of the Palestinian Islamic Jihad, the IDF confirmed. Masri was described as "a significant figure responsible for executing numerous terrorist operations, managing and directing actions by the organisation that targeted Israeli civilians and IDF soldiers".Since October 7, Masri had been actively commanding rocket fire from northern Gaza into Israeli border communities. He also oversaw several operatives involved in launching rockets into Israeli territory. Earlier, the IDF reported that its units, working with the Shin Bet (Israel's General Security Service), eliminated 14 Hamas terrorists, six of whom had participated in the October 7 massacre. These operations were carried out as part of the IDF's 162nd "Steel" Division's ongoing activity in the Gaza Strip. The 162nd Division operated in the areas of Jabalia and Beit Lahia, as part of the joint activity of the IDF and Shin Bet to locate and eliminate terrorists who took part in the October 7 attack.The 162nd Division has been operating in the areas of Jabalia and Beit Lahia, as part of the joint effort between the IDF and Shin Bet to locate and eliminate terrorists involved in the October 7 attack. On October 7 last year, Hamas launched a massive terror attack on Israel, killing more than 1,200 people and taking more than 250 hostages. Around 100 hostages remain in captivity, with many feared dead. In response, Israel launched a strong counteroffensive targeting Hamas units in Gaza.

Explainer: Ukraine Ends Transit Of Russian Gas To EU, What Happens Next

Kyiv. Russian gas supplies to the European Union (EU) states via Ukraine ended on Wednesday after Ukraine's gas transit operator Naftogaz refused to renew its latest five-year transit deal with Russia's Gazprom. Under a five-year deal signed in 2019, Ukraine had allowed Russia to pipe gas to Europe via its territory. However, the agreement expired on January 1, with Kyiv unwilling to extend it in the face of Moscow's invasion.

Giving the EU a year to prepare, Ukrainian President Volodymyr Zelensky said his country would not allow Russia to "earn additional billions on our blood". Ukraine's move is set to affect Europe's east, including Austria and Slovakia, but Russia could still send gas to Hungary, Turkey and Serbia, through the TurkStream pipeline across the Black Sea.How Will The Move Affect Russia?Russia had spent half a century building its European gas market share, but its supply to Europe suffered dramatically after Moscow invaded Ukraine in February 2022, which spurred the European Union to cut its dependence on Russian gas.At its peak, Russian gas stood at about 35 per cent in Europe but has fallen to about 8 per cent since the start of the war. As of December 1, the EU received less than 14 billion cubic metres (bcm) of gas from Russia via Ukraine, down from 65 bcm/year when the latest five-year contract began in 2020, according to a report by Reuters.EU gas prices rallied in 2022 to record highs after the loss of Russian supplies. With supplies ending today, EU officials and traders believe a repeat of that rally is unlikely given the now modest volumes involved and the small number of customers remaining.

Moscow has lost its market share to rivals such as Norway, the United States and Qatar, with the European Commission saying that volume can be fully replaced by liquefied natural gas and non-Russian pipeline imports.

Who Will Be Affected Most?

The Ukraine route majorly serves Austria and Slovakia. Austria receives most of its gas via Ukraine, while Slovakia takes around 3 bcm from Gazprom per year, about two-thirds of its needs.

Austria decided in December to terminate its long-term contract with Gazprom. But Slovakia is affected by the move, with its leader Robert Fico -- one of the Kremlin's few allies within the EU -- crying foul over Kyiv's decision. "Accepting the unilateral decision of the Ukrainian president is totally irrational and wrong.

Two Teens Hospitalized After Stabbings During New Year's Eve Celebrations In Australia

World. Two teenagers were hospitalized following separate stabbing incidents during New Year's Eve celebrations in Sydney and Melbourne. Authorities confirmed the incidents, which unfolded amidst large-scale festivities across the cities. In Sydney, police were called to a park in Guildford, located approximately 20 kilometers west of the central business district, at 10:40 p.m. local time on Tuesday night. According to Xinhua News Agency, officers responded to reports of a stabbing.Upon arrival, police learned that a group of males had allegedly been setting off fireworks illegally in the park when a 17-year-old boy was stabbed in the back. Emergency medical teams treated the victim at the scene before transporting him to a nearby hospital. The teenager is reportedly in serious but stable condition.The attacker fled the scene, and investigations are ongoing to identify and apprehend the suspect. Elsewhere in Sydney, New Year's Eve celebrations attracted over one million people to the city's iconic landmarks and central business district. Police reported making 36 arrests for various offenses, including assault, robbery, and possession of weapons.The arrests underscored the challenges of maintaining public safety during large-scale events. Authorities continue to investigate

whether the stabbing incident in Guildford was connected to other disturbances in the area.

In a separate incident in Melbourne, another teenager sustained injuries during a New Year's Eve stabbing. While details about this case remain limited, police confirmed the victim was hospitalized, and investigations into the circumstances surrounding the attack are underway.New South Wales Police reiterated their commitment to ensuring public safety and called on witnesses to come forward with any information related to the Guildford stabbing. They emphasized the need for responsible behavior during large gatherings, particularly in light of recent events.

2025 arrives: World welcomes 'hopeful' New Year amid Gaza 'genocide', Ukraine war, other conflicts

World. Celebrations rocked India and different parts of the world as people welcomed a hopeful and fresh beginning after a year roiled by an ongoing genocide, multiple conflicts and political instabilities.New Zealand's Auckland was the first major city to start off the New Year celebrations with colorful fireworks launched from the country's tallest structure, Sky Tower, and a spectacular downtown light show.Countries in the South Pacific Ocean are the first to ring in the New Year, with midnight in New Zealand striking 18 hours before the ball drop in Times Square in New York.In her New Year greetings to the country, President of India Droupadi Murmu urged everyone to take "our society and nation" further on the path of unity and excellence.The coming of the new year marks the beginning of new hopes, dreams and aspirations, she said in a message.The occasion provides an opportunity to march forward with renewed vigour to fulfil "our wishes", Murmu said."Let us welcome the new year with joy and enthusiasm and take our society and nation further on the path of unity and excellence," she said.The president extended her "heartiest greetings and best wishes to all Indians, living in India and abroad."housands of police personnel and CCTV cameras were deployed and traffic was regulated across states to ensure public safety and prevent any untoward incident as the country geared up to welcome 2025.

Traffic police personnel armed with alcometers were deployed at prominent places in major cities to check drunk driving.Nearly 20,000 police and paramilitary personnel have been deployed in Delhi to check hooliganism and traffic violations on New Year's Eve, a senior police official said.In Maharashtra, more than 14,000 police personnel have been deployed in Mumbai as part of elaborate security arrangements to maintain law and order on New Year's Eve. These include more than 12,000 police constables, 2,184 officers, 53 assistant commissioners, 29 deputy commissioners and eight additional commissioner-rank

officers, an official said.Large gatherings are expected at prominent places in the city, including Gateway of India, Marine Drive, Girgaon Chowpatty, Bandra Bandstand, Juhu and Versova beaches.

Karnataka Home Minister G Parameshwara said more than 7,500 CCTV cameras have been installed across Bengaluru and special picket arrangements and enhanced police deployment have been made to ensure public safety.The government has permitted New Year celebrations in the city only till 1 am.In Gujarat too, security has been beefed up. A senior officer said 6,000 police personnel have been deployed in Ahmedabad and security has been enhanced at popular spots.Gaza genocide, Ukraine war and multiple conflicts cast shadow on celebrationsNew Year's celebrations are likely to be subdued in Israel as its "genocide" on Gaza continues through the 15th month and hostages remain in captivity. Meanwhile, the death toll in Gaza crossed 45,500 on Monday as Israeli airtsrikes killed 27 people, mostly women and children.As many as five babies froze to death in recent days amid Israel's continuous blockade of humanitarian aid into Gaza.ebanon is in the grip of a severe economic crisis, and many areas were heavily damaged during the war between Israel and Hezbollah, which ended with a shaky ceasefire.

NEWS BOX

Will Rohit Sharma do what's best for Team India in the New Year's Test

New Delhi. The knives are out for Rohit Sharma. A doyen of white-ball cricket, the India captain is under immense pressure following repeated failures in the ongoing Border-Gavaskar Trophy. With just 31 runs in three Tests, his place in the side is being questioned with unprecedented ferocity.

India have surrendered an unassailable lead to Australia in the Border-Gavaskar Trophy, despite taking a 1-0 lead in the much-anticipated five-match series. For the first time in 13 years, India lost a Boxing Day Test in Australia. Moreover, they are on the verge of losing a Test series to Australia for the first time in a decade. All this has unfolded under Rohit's leadership, coinciding with his struggles at the crease.Despite the setbacks, India can still salvage the series and retain the Border-Gavaskar Trophy with a draw in the New Year's Test in Sydney. While 2024 ended on a sour note, there remains hope for the year ahead.Much hinges on Rohit Sharma's decisions. While he seems unlikely to retire from Test cricket, it is crucial the

right calls (read as bold) regarding the team combination for the Sydney Test, starting 3 January.

The newly-formed captain-coach duo of Rohit Sharma and Gautam Gambhir has taken pride in prioritising the team's interests, even when it requires making difficult decisions.

'IN THE BEST INTERESTS OF THE TEAM'

When Shubman Gill was left out of the XI during India's 184-run defeat in Melbourne, both Rohit and the coaching staff clarified it was not a case of being 'dropped' but a decision made in the team's best interests. India opted for an extra bowling option without compromising batting strength, as explained by the skipper.We don't make personal decisions. It's in the best interest of the team. We want to prioritise the team and think about the right combination for a specific venue and opposition," Rohit said, justifying the decision to leave out Gill in Melbourne."That's how I approach team selection. Yes, there have been changes, but you have to ensure that whatever suits the conditions and the team, covering all facets of the game, you make that call.

Indian cricket in 2025: Transition time again as Kohli, Rohit futures in focus

With the Champions Trophy and a few crucial Test series lined up in 2025, the Indian men's cricket team will be in the spotlight in the New Year. For the first time in over a decade, the team faces a transition phase, with questions looming over the futures of senior players.

New Delhi After ending 2024 on a not-so-memorable note, the Indian men's cricket team will look to get 2025 off to a positive start as they take on Australia in the fifth and final Test of the Border Gavaskar Trophy 2024-25. The year 2025 will be full of several important tournaments for India, with the ICC Champions Trophy 2025 scheduled to be held in February, followed by the World Test Championship (WTC) final and the all-important away Test series in England.

The year will also give further clarity on the red-ball future of star batters Virat Kohli and Rohit Sharma, who've been struggling for form in recent times. With India trailing by 1-2 in the ongoing series against Australia, there have been widespread discussions on what future holds for the duo. It remains to be seen whether the duo will be allowed to continue ahead even after India ends up losing the series and doesn't make it to the WTC final.While former India head coach Ravi Shastri feels Kohli still has a lot to give in Test cricket to India, the India skipper hasn't got the same backing with Jasprit Bumrah ready to take over the reins from him. Hence, the year 2025 could well see the end of the road for at least one of them in the longest format. However, there will be some long discussions before arriving at a decision with a crucial five-match Test tour to England scheduled in August as India won't be willing to risk taking a completely inexperienced batting lineup in the series.

Champions Trophy 2025 to decide the ODI Roadmap

After Test cricket, the focus will shift on the all-important Champions Trophy as India will be hungry for an ODI crown after falling short of winning the World Cup on home soil in 2023. The onus will be once again on the batting stalwarts Kohli and Rohit as India enter yet another ICC event as favourites. Since the ODI World Cup 2023, the duo has played just one ODI series against Sri Lanka in August 2024. While Rohit looked at his usual best, scoring 157 runs from three innings at an average of 52.33 and a strike rate of 141.44 with two fifties, Kohli looked far from his best accumulating just 58 runs from three innings.Hence, questions could be raised on their form if India don't win the Champions Trophy. As far as ODIs are concerned, both players might be willing to push until the World Cup 2027 in South Africa and give themselves another chance at winning the coveted prize.However, a lot will depend on their form and the faith of the team management in their abilities. The Gautam Gambhir-era has already seen an unceremonious ending of a legendary cricketing career in Ravichandran Ashwin. It could well be an indication that we could be on for several more silent goodbyes if the team's performance continues to go downhill.T20I side on track to defend their crown in 2026As far as the T20Is are concerned, the team has already been in a transition mode, something that started after T20 World Cup 2024 when Kohli and Rohit retired from the format. Players like Sanju Samson, Tilak Varma, Abhishek Sharma, and Arshdeep Singh have already proven their mettle in the format and are taking forward the all-out attack philosophy of the management.

Under the leadership of Suryakumar Yadav, the young brigade will continue to prepare for a title defence on home soil in 2026. Hence, 2025 could well prove to be another action-packed year for Indian men's cricket and fans will hope for the addition of another ICC Trophy to their cabinet. The year could also see the end of the road for some of the veterans, but the betterment of Indian cricket will remain paramount for both the management and the fans.

Tied after 7-rounds, Carlsen, Nepomniachtchi share Blitz title in historic feat

New Delhi. History was created on December, 31 Tuesday, in New York, when Grandmasters Magnus Carlsen and Ian Nepomniachtchi decided to share the 2024 FIDE World Blitz Chess Championship title. With nothing to separate the duo after 7 games, the reigning world blitz champion - Carlsen, made a never-seen-before proposal to his opponent - that they should share the title. Nepomniachtchi agreed without hesitation and created history on Wednesday.

After dramatically reversing his earlier decision to withdraw, Carlsen claimed his eighth World Blitz title, while Nepomniachtchi earned his first. This marks the first time in chess history that a World Championship title has been shared.

The decision to split the title came after both players played three consecutive draws in the sudden death stage. Carlsen had started the final with two straight victories and only needed a draw to secure the win. Still, Nepomniachtchi displayed remarkable resilience, winning twice on demand to force a tie at 2.0-2.0, pushing the match into sudden death.After three draws in the sudden death games, Carlsen suggested they

share the title, which was later confirmed by FIDE.MAGNUS CARLSEN CONTROVERSY

In the final days of 2024, Magnus Carlsen was at the centre of a huge controversy in the tournament. Carlsen quit the FIDE championship on December 28, after he was fined for improper dress code. Carlsen had worn jeans, which was not in allowed in general by the chess federation.

Carlsen expressed his frustration, saying, "I said I'll change tomorrow ... but they said you have to change now. It became a matter of principle for me, so here we are! Honestly, I'm too old at this point to care too much. If this is what they want to do, I'll probably set off to somewhere where the weather is a bit nicer."Carlsen detailed the events leading to the controversy: "I had a really good sleep and a nice lunch meeting before I came here. I just barely had time to go to my room and change, so I put on a shirt and a jacket. Honestly, I didn't even think about the jeans.

"I even changed my shoes but didn't consider the jeans. When I arrived, I don't remember if it was after the first or second game, but I got a warning. First, I was fined, and then I was told I wouldn't be paired if I didn't go change my jeans immediately. They said I could do it after the third round."I said I'd change tomorrow if that's okay, as I hadn't even realised it today. But they insisted I change immediately. At that point, it became a matter of principle for me."When asked if he had appealed the decision, Carlsen replied: "No, I haven't appealed. Honestly, I'm too old at this point to care too much. If this is what they want to do, I guess it goes both ways, right? Nobody wants to back down, and this is where we are. It's fine by me. I'll probably head somewhere with nicer weather than here."Carlsen confirmed that he would also skip the Blitz Championship. "I mean, no," he stated simply.

India cricket 2025 schedule: Full fixtures, dates, venues and time for men's team matches

New Delhi. The year 2024 was a mixed bag for the Indian men's cricket team. While it began with a home series win over England and then a T20 World Cup title triumph in the Caribbean, the team struggled to maintain momentum, ending the year with a crushing 184-run loss to Australia in the Boxing Day Test at the Melbourne Cricket Ground.India's major setbacks included an ODI series whitewash to Sri Lanka and a home Test series defeat to New Zealand. In 15 Tests, the team managed 8 wins, 6 losses, and 1 draw, while their lone ODI series ended in disappointment.The Indian men's team will aim for redemption in 2025 as they kick off the year with the final Test of the Border-Gavaskar Trophy against Australia in Sydney, a must-win to keep their World Test

Championship (WTC) final hopes alive. A loss or a draw would end their campaign.Following the Sydney Test, India will shift focus to a limited-overs series against England in mid-January, serving as preparation for the Champions Trophy in February. This marquee tournament will be played in a hybrid format across the UAE.

After the Champions Trophy and IPL 2025, India will travel to England for a five-Test series, marking the beginning of their fourth WTC cycle.

India's home season is set to begin in October with the Asia Cup (T20 format) and two Tests against the West Indies. They will also tour Australia in October-November for three ODIs and five T20Is before wrapping up the year with an all-format home series against South Africa.In total, India is scheduled to play 18 T20Is, 9 Tests, and 12 ODIs in bilateral series outside ICC and ACC tournaments in 2025.

From transition phase to finding balance: Challenges await for Indian cricket

SYDNEY. AS the third umpire's decision — OUT — was displayed on the giant screen at the Melbourne Cricket Ground on Monday evening for one last time, the stadium erupted bringing close to what had been a rollercoaster year for Indian cricket.

The men's team went down for the sixth time in the longest format in 2024. Their performance summed up the underlying issues of a transitioning team that were masked more often than not while playing at home.Indian cricket is at a tipping point or at least as close as they have ever been to one, especially in the longest format. For the first time in 12 years, India lost a Test series at home, a 0-3 clean sweep to New Zealand for the first time ever on home soil. In the middle of the ongoing Border-Gavaskar Trophy, one of the titans of the longest format and one of the chief architects of India's Test dominance

in the past decade, R Ashwin, hung his boots.

Not all was bad in 2024 though. The highest point for Indian cricket came on June 29, 2024, in Barbados, when Rohit Sharma led the country to their first ICC title in over ten years. That also ensured the old guard bid adieu and the next generation took over the shortest format. For Sharma and India, however, things have just gone downhill since as they conceded a 1-2 lead to Australia in Melbourne.However, when the sun dawns for the first time in 2025 — the Indian men's team would be in the new year five and a half hours before the country does — it gives them a chance to turn the page; to start afresh. For there is a lot to look forward to.

First up, there is a series to be levelled in Sydney. They still can make it to the World Test Championship Final. But the tougher challenges lie ahead. Then comes the Champions Trophy. A five Test tour to England followed by another home season. As things stand, one cannot be very sure if the Test team will look the same when they leave for England in June.

Nathan McSweeney aims for Test return after disappointing Border-Gavaskar Trophy

New Delhi. Australian cricketer Nathan McSweeney wants to play Test cricket again after being dropped from the team. He lost his opener spot after poor performances in the first three Tests against India. Nineteen-year-old Sam Konstas replaced him and scored a fifty in his first match.

McSweeney told the Sydney Morning Herald he is determined to return.

"I'd love to [be back in the Test setup], there's no doubt about that. Ussie [Khawaja] has been awesome, but when the opportunity comes - or if it does - I would love to do that," he said.He hopes to replace Usman Khawaja when the veteran retires. Khawaja is reportedly considering retirement after next summer's Ashes series.McSweeney said he didn't have much time to think about being dropped because he started playing T20 cricket in the Big Bash League. He plans to talk to team selectors about how he can rejoin the Test team."Those conversations will be had, and I've got to work out and speak with the selectors about where my opportunity may come and what I need to do to get back there. I'm flexible to bat wherever," he explained.He admitted facing India's bowlers was difficult. However, he believes he can play well, especially against spin bowling. He also praised Konstas's performance, calling it "really well played.""It's quite a unique game, and it's very individual at times. You've got your own way to go about it, SZand he obviously did it really well in that first innings," McSweeney added.

Suryakumar Yadav's post 2024 recap, ft. highs, lows, and that incredible catch

India T20I captain Suryakumar Yadav looked back at the year 2024. Suryakumar Yadav put up an emotional post on his Instagram account, celebrating the year that was.

New Delhi India T20I captain Suryakumar Yadav looked back on the year that was. Late on 31 December, Suryakumar Yadav posted a video of his 2024 recap, where he highlighted the highs and lows of his career. One of the best T20 batters in the world took to Instagram to state that he is ushering in the new year with renewed energy and higher spirits.Suryakumar Yadav found incredible success in 2024. Not only did he win the T20 World Cup with the Indian team, he was also made the full-time captain of the side after the tournament was concluded. Suryakumar pipped Hardik Pandya for that position - despite the all-rounder captaining the side since the start of 2023 - in the absence of Rohit Sharma and Virat Kohli - when they took a year-long break from the format.

"Bidding farewell to a year that is etched in our hearts. A year filled with the highest of highs, and some lows, but taking all of it in my stride as I get ready to enter 2025 with renewed energy and higher spirits, raring to do better," Suryakumar Yadav wrote on Instagram.Suryakumar Yadav's post also included his tough times at the start of 2024, where he was sidelined due to multiple injuries. After being sidelined for an ankle issue, Suryakumar had to sit out longer than expected after he was diagnosed with sports hernia. The batter made a strong comeback and put in stellar performances in the T20 World Cup 2024.Suryakumar, however, will probably not be remembered for his batting

in 2024. The Mumbai player's catch in the T20 World Cup Final went viral in the cricketing world.In an interview, India wicketkeeper batter Rishabh Pant recalled his thoughts before Suryakumar Yadav's iconic catch in the T20 World Cup 2024 final against South Africa. Notably, Suryakumar took a sensational game-changing catch in the last over of the final to dismiss David Miller which tilted the balance in India's favour.He showed great presence of mind to grab hold of the ball near the boundary at long-off and quickly got rid of it as the momentum took his body over the ropes. The Indian fielder further jumped back quickly to complete one of the greatest catches in Indian cricket history which became one of the pivotal reasons behind India's seven-run win in the final.Recalling the nerve-wracking incident, Pant said that he felt like everything was gone as Miller had timed the ball nicely. He even joked that the prayers of Indian fans stopped the ball from crossing the boundary line.When the ball was in the air, it felt like everything was gone. When it hit the bat, it seemed like a sure-shot six. When the ball was in the air, it felt like everything was gone. When it hit the bat, it seemed like a sure-shot six. e a tactical implementation, as opposed to a body. "I think the amount of overs that we've been bowling across the series is probably going to be a benefit to us.

For Malaika Arora

2024 Was Full Of 'Challenges, Changes, And Learning'

Pause everything and turn to Instagram if you want to know how 2024 was for Malaika Arora and the lessons she learnt during the year. In Instagram Stories, she added a note that reflected on her experiences, challenges and growth in 2024. For the actress, the year was all about self-discovery and empowerment, her strength and instinct. She also admitted to having learnt the importance of trusting herself more following the tumultuous time this year.

The note read, "I don't hate you, 2024, but you were a difficult year, full of challenges, changes, and learning. You showed me that life can change in the blink of an eye and taught me to trust myself more. But, above all, you made me understand that my health—whether physical, emotional, or mental—is what really matters. There are things I still can't understand, but I believe that with time, I will understand the reasons and purposes of everything that happened."

Malaika Arora's recent post follows her response to her former boyfriend Arjun Kapoor's public comment about being "single." In October, Arjun Kapoor put an end to his break up rumours with Malaika as he announced 'I am single' at an event. In response to his statement, the actress said that she would not like to talk about her personal life in public.

Speaking with the ETimes, Malaika said, "I am a very private person, and there are certain aspects of my life which I don't want to elaborate on much. I will never choose a public platform to talk about my personal life. So, whatever Arjun has said is entirely his prerogative.

"Malaika Arora, indeed, has had a difficult year. First, she faced a significant change in her life in the initial months of the year after Arjun and her decided to part ways. Later, on September 11, Malaika's father Anil Arora, tragically passed away. He reportedly died by suicide after jumping from the sixth floor of a residential building in Mumbai.Coming back to Malaika and Arjun Kapoor, the former couple began dating in 2018. The duo dished out major couple goals during their time together, often jetting off to picturesque locations and posting loved-up photos. Despite the breakup, Arjun was captured arriving at Malaika's mother's house after the actress' father's demise.

Shraddha Kapoor

Gets Mobbed Outside Salon; Paps Surround Her Car To Capture New Hairdo

Bollywood actress Shraddha Kapoor faced an overwhelming crowd of fans and paparazzi as she stepped out of a salon in Mumbai on Monday evening, just ahead of New Year's Eve. The actress, known for her approachable demeanour, greeted the paparazzi with a cheerful "Happy New Year" before heading to her car. However, the situation quickly escalated as photographers surrounded her vehicle, vying to capture her new hairdo.

In a video circulating online, Shraddha is seen gesturing from inside her car, asking the paparazzi to calm down. Some photographers leaned on her car in an attempt to get a better shot, leading to a chaotic scene. Despite the frenzy, Shraddha managed to maintain her composure and brought calm to the situation.

For the outing, Shraddha opted for a casual yet chic look, wearing a white buttoned top, denim jeans, and glasses, effortlessly showcasing her understated style.

The actress is riding high on the success of Stree 2, which became one of the highest-grossing Hindi films upon its release. However, Shraddha's journey to success hasn't been without challenges. Her Bollywood debut in Teen Patti (2010), alongside stalwarts like Amitabh Bachchan and Ben Kingsley, failed at the box office, making it difficult for her to find subsequent opportunities.In a recent interview with GQ India, Shraddha opened up about her struggles and addressed comments about nepotism. "Despite being from the industry, my father wasn't making any calls to get me work," she revealed. Her father, veteran actor Shakti Kapoor, encouraged her to face her battles independently, stating, "I made it alone; you must do it too."

Shraddha credits Aashiqui 2 (2013) as the turning point in her career. The romantic drama, co-starring Aditya Roy Kapur, became a massive success, propelling her to stardom with its emotional storyline and unforgettable music.Since then, Shraddha has delivered notable performances in films like Ek Villain, Haider, Stree, and Chhichhore. Her recent hits, including Tu Jhoothi Main Makkaar and Stree 2, have solidified her position as one of Bollywood's most bankable stars.

Ananya Panday Opens Up On 'Best' Parties At Mannat With Shah Rukh Khan, Suhana, Navya And Shanaya

Bollywood actress Ananya Panday shares a great bond with Shah Rukh Khan's daughter Suhana Khan. In fact, Ananya, Suhana, Navya Naveli Nanda and Shanaya Kapoor are childhood friends, and are often seen hanging out together. Now, in a recent interview, Ananya gave a sneak-peek into parties at Shah Rukh Khan's residence Mannat, revealing that the best parties are the ones that end at Mannat with her besties Suhana, Navya and Shanaya.In a recent interview with Filmfare, Ananya Panday was asked about the parties that she attended at Shah Rukh Khan's lavish residence in Mumbai, Mannat. She recalled post-party moments at Mannat with Suhana, Shah Rukh, Shanaya and Navya, where they would hang out, eat burgers and enjoy a chat. "The best parties are the ones that end at Mannat. After we go to places – for example after Manish's (Malhotra) Diwali party – me, Suhana, Shah Rukh sir, Shanaya, and Navya, we went back, sat, and ate our burgers and discussed what happened through the night. And sometimes we continue dancing, just a few of us, and those are the best parties. The after-after parties," she said.

She also spoke about her idols in Bollywood, and named Shah Rukh Khan as one of them. Lauding the superstar, she said, "The way he (SRK) is and the way he makes the people around him feel. Not just family but any person he comes in contact with. I think that is such a charming quality. I wish to be even one percent of that one day."

Meanwhile, on the work front, Ananya Panday was last seen in Vikramaditya Motwane's screenlife thriller 'CTRL' alongside Vihaan Samat. The actress has an exciting slate of projects lined up for 2025. Among them is an untitled film based on the life of C. Sankaran Nair, where she stars alongside Akshay Kumar and R. Madhavan. Additionally, the romantic drama Chand Mera Dil with Lakshya, produced by Dharma Prouctions, is highly anticipated.Meanwhile, Shah Rukh Khan is all set to share screen space with his daughter Suhana Khan in the film 'King', which will be helmed by Siddharth Anand. The film also stars Abhishek Bachchan.

Keerthy Suresh Reveals Samantha Ruth Prabhu Recommended Her For Baby John: 'I Was Very Scared'

Keerthy Suresh has revealed that Samantha Ruth Prabhu recommended her for the recently released movie Baby John. The film is a remake of Atlee's Tamil blockbuster Theri (2016), which originally starred Thalapathy Vijay and Samantha in the lead. In Baby John, Keerthy stepped into a role that was originally portrayed by Samantha.Keerthy was speaking to Galatta India recently when she expressed gratitude towards Samantha for recommending her name for Baby John. "She probably had me in mind when this was happening; that's what Varun (Dhawan) also told me. I can't be grateful enough for that. It's so sweet of her to say, 'Keerthy will be able to pull off this character.' Her performance in Theri is one of my favourites in Tamil. Honestly, I was very scared," she said.

"I remember her posting a story on Instagram after watching the trailer of Baby John, saying, 'I wouldn't have shared this one with anyone else, but you.' It was so sweet and meant a lot to me. I couldn't have asked for a better debut. This is one of the characters I really love and I am so glad I got to play it in Hindi," the actress added.

Baby John marks Keerthy Suresh's Bollywood debut. Even though the film has failed to impress the audiences, Keerthy Suresh's performance is being liked by many in the Kalees directorial. In News18 Showsha's review of the movie, Keerthy Suresh's Bollywood debut was also appreciated.

"Keerthy Suresh's Bollywood debut as Meera is another highlight of the film. Her nuanced dialogue delivery and expressive acting make her a scene-stealer. With Baby John, Keerthy proves she's a talent to watch out for in Hindi cinema," the review read.

Meanwhile, on the personal front, Keerthy Suresh recently married her longtime beau Antony. On December 12, the two held a traditional South Indian wedding in Goa. Photos and videos from the ceremony also went viral on social media. According to a report by India Times, Antony is a businessman who works from Dubai and his hometown, Kochi, Kerala. He owns a prominent chain of resorts in his hometown and has a couple of businesses registered in Keerthy's hometown, Chennai.